twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 03 जुलाई, 2025 | वर्षः 12, अंकः 227, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

'देवभूमि' हिमाचल में प्रलय, 51 मौतें, 22 लापता

हिमाचल में भूस्खलन से 245 सड़कें बंद, 918 ट्रांसफार्मर ठप

शिमला/एजेंसी

हिमाचल प्रदेश भीषण मानसूनी कहर से जूझ रहा है। प्रदेश में 20 जून को मानसून की दस्तक के बाद से हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। बारिश के साथ हो रहे भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने कई जिलों में तबाही मचाई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से के अनुसार बुधवार शाम छह बजे तक प्रदेश में भूस्खलन की वजह से 245 सड़कें बंद हो चुकी हैं। इनमें से सर्वाधिक 151 सड़कें मंडी जिले में अवरुद्ध हैं। कुल्लू में 37 और शिमला में 27 सड़कें यातायात के लिए बंद हैं। इसके अलावा प्रदेशभर में 918 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हो गए हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित है। मंडी जिले में सबसे अधिक 489 ट्रांसफार्मर बंद हैं, जबकि हमीरपुर में 333 और कुल्लू में 65 ट्रांसफार्मर काम नहीं कर रहे हैं। बिजली के साथ ही पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। प्रदेश में 683 पेयजल योजनाएं ठप हैं, जिनमें अकेले मंडी की 465 और हमीरपुर की 144 योजनाएं शामिल हैं। इससे लोगों को पीने के पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

आठ जुलाई तक बारिश की चेतावनी, कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने हिमाचल में आठ जुलाई तक मौसम खराब बने रहने की चेतावनी जारी की है। तीन जुलाई को कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में भारी बारिश और गरज-चमक के साथ येलो अलर्ट घोषित किया गया है। चार जुलाई को भी कांगड़ा, मंडी और सिरमौर के लिए येलो अलर्ट जारी रहेगा। पांच जुलाई से प्रदेश के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इस दिन ऊना, कांगड़ा और मंडी जिलों में ऑरेंज अलर्ट रहेगा, जबकि बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, कुल्लू, शिमला, सोलन और सिरमौर में येलो अलर्ट प्रभावी रहेगा। छह जुलाई को ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा, सिरमौर, शिमला और मंडी जिलों में फिर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि सात जुलाई को भी ऑरेंज अलर्ट और आठ जुलाई को येलो अलर्ट जारी रहेगा।

सीएम सुक्खू ने की आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात

मंडी/एजेंसी

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को जिला मंडी के धर्मपुर में लौंगणी पंचायत के आपदा प्रभावित स्याठी गांव का दौरा किया। उन्होंने बादल फटने से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका दुख साझा किया और जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। बादल फटने की घटना से 61 लोग प्रभावित हुए हैं तथा घरों, गौशालाओं और पशुओं को काफी नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन मंडी ने प्रभावितों को 1.70 लाख रुपये की वित्तीय सहायता, राशन आपूर्ति, तिरपाल और अन्य राहत सामग्री सहित तत्काल सहायता प्रदान की है। प्रभावित परिवारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दुख की इस घड़ी में प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है तथा आपदा के इस मुश्किल दौर में व्यक्तिगत रूप से आपका दुख साझा करने आया हूं। उन्होंने प्रशासन को प्रभावितों को हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

मंडी के सराज में अब तक की सबसे बड़ी त्रासदी: जयराम

मंडी/एजेंसी

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सराज क्षेत्र में आई प्राकृतिक आपदा को अभूतपूर्व बताते हुए प्रदेश सरकार से राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की मांग की है। बुधवार को उन्होंने अपने गृह विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों कुकलाह और बगस्याड का दौरा किया और कहा कि सराज में तीन दिनों से न बिजली है, न संचार सेवाएं चल रही हैं। थुनाग और जंजैहली तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है क्योंकि मुख्य सड़कों पर भारी भूस्खलन हुआ है और सड़कें टूट चुकी हैं। जयराम ठाकुर ने बताया कि थुनाग, पखरैर और पांडवशीला क्षेत्रों से अब तक 20 से अधिक लोग लापता हैं। खासकर पखरैर पंचायत के डेजी गांव से 11, थुनाग से 5 और पांडवशीला से 2 लोग लापता बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहत कार्य अभी तक प्रभावी नहीं हो पाए हैं और न ही प्रशासन की पहुंच हर प्रभावित क्षेत्र तक हो सकी है। उन्होंने बताया कि पखरैर गांव में बादल फटने की वजह से लोग बह गए हैं और प्रशासन अब तक मौके पर नहीं पहुंच पाया है। इलाके की करीब 25 पुलियां पूरी तरह टूट चुकी हैं और लगभग 200 से अधिक घर प्रभावित हुए हैं।

थुनाग इलाके में भी 150 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। लोगों को कई किलोमीटर पैदल चलकर ही आवागमन करना पड़ रहा है। जयराम ठाकुर ने केंद्र सरकार से एनडीआरएफ और वायुसेना के हेलिकॉप्टर की मांग की थी, जिस पर गृह मंत्री की ओर से तुरंत कार्रवाई की गई।

बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण पर चुनाव आयोग से मिला विपक्ष

नई दिल्ली/एजेंसी

चुनाव आयोग से बुधवार को 11 राजनीतिक दलों के 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में मुलाकात की। लगभग साढ़े तीन घंटे चली इस बैठक में बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) यानी मतदाता सूची अपडेट करने के अभियान को लेकर विपक्ष ने अपनी गंभीर आपत्तियाँ दर्ज कराई। दलों ने कहा कि इससे व्यापक पैमाने पर मतदाता खासकर प्रवासी मतदाता अपने अधिकार से वंचित हो जायेंगे। चुनाव आयोग के एक अधिकारी के अनुसार बैठक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू एवं विवेक जोशी की उपस्थिति में हुई। आयोग ने बताया कि एसआईआर संविधान के अनुच्छेद 326, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 24 जून 2025 को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हो रहा है। सभी दलों की चिंताओं का उत्तर दिया गया और साथ ही आयोग ने 1.5 लाख से अधिक बूथ स्तर एजेंट नियुक्त करने के लिए पार्टियों का आभार व्यक्त किया। आयोग से मुलाकात के बाद इन पार्टियों के नेताओं ने साझा पत्रकारों से बातचीत की। इसमें कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी और राजद नेता मनोज झा और अन्य नेताओं ने अपनी बात रखी। सिंघवी ने आश्चर्य जताया कि 2003 के बाद राज्य में कई चुनाव हो चुके हैं, फिर भी 22 वर्षों बाद इस प्रकार की प्रक्रिया को जून के अंत में घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि पौने आठ करोड़ मतदाताओं का सत्यापन के लिए मात्र डेढ़ महीना कम हैं। दस्तावेजों की मांग को लेकर उन्होंने कहा कि जन्म प्रमाणपत्र के साथ माता-पिता के दस्तावेज भी माँगे जा रहे हैं, जो गरीब तबके के लिए कठिन होगा। उन्होंने इसे लेवल प्लेयिंग फील्ड का उल्लंघन बताया। वहीं राजद नेता मनोज झा ने कहा कि बैठक सौहार्दपूर्ण नहीं थी और उन्होंने बिहार में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव की ओर से अपनी पार्टी की आपत्तियों का पत्र चुनावा आयोग को सौंपा है। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया लाखों लोगों को मतदाता सूची से बाहर करने की साजिश है। उन्होंने दावा किया कि इससे कम से कम 20 प्रतिशत मतदाता बाहर हो सकते हैं।

भारत-यूके के बीच होगा सोशल सिक्योरिटी समझौता

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत और ब्रिटेन के बीच जल्द ही सोशल सिक्योरिटी यानी सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा समझौता हो सकता है। यह समझौता दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता का ही हिस्सा होगा। सूत्रों के मुताबिक, ब्रिटेन ने इस समझौते को लेकर सहमति दे दी है और जल्द ही इसे औपचारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा। अगर ऐसा होता है, तो विदेश में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को दोहरी सामाजिक सुरक्षा के झंझट से राहत मिलेगी। सामाजिक सुरक्षा समझौता एक ऐसा समझौता होता है, जिससे किसी देश में काम करने वाले विदेशी कर्मचारियों को उस देश की सोशल सिक्योरिटी योजना में अलग से योगदान नहीं देना पड़ता। इससे उनके वेतन से कटौती नहीं होती और वहीं दूसरी तरफ उन्हें उस देश में काम करने की अवधि का लाभ पेंशन या अन्य सुविधा के रूप में मिलता है।

भारत ने अब तक 22 देशों से किए हैं ऐसे समझौते

फिलहाल भारत ने कनाडा, जापान, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, स्वीडन, ब्राजील सहित 22 देशों के साथ सामाजिक समझौते किए हैं। इन देशों में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को वही लाभ मिलता है, जो वहां के स्थानीय कर्मचारियों को मिलता है। अगर वङ के साथ यह समझौता हो

क्वाड देशों ने की पहलगाम हमले की कड़ी निंदा

दक्षिण चीन सागर की स्थिति पर जताई चिंता

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के क्वाड समूह ने संयुक्त रूप से हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्रता, स्थिरता और कानून के शासन की रक्षा के लिए अपने साझा संकल्प को दोहराया है। बैठक में समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति शृंखला, प्रौद्योगिकी और आतंकवाद जैसे विषयों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। क्वाड देशों ने पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और दोषियों को जल्द न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया गया। आतंकवाद और हिंसक उग्रवाद विशेष रूप से सीमापार आतंकवाद की कड़ी निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ सहयोग की प्रतिबद्धता दोहराई है। म्यांमार संकट पर क्वाड ने युद्धविराम की आवश्यकता दोहराई और आसियान की पांच बिंदु सहमति के कार्यान्वयन का समर्थन किया। म्यांमार भूकंप राहत के लिए संयुक्त रूप से 3 करोड़ डॉलर की सहायता राशि की घोषणा की। वॉशिंगटन डीसी में आयोजित क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, हम इस निंदनीय कृत्य (पहलगाम हमले) के अपराधियों, आयोजकों और वित्तपोषकों को बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान करते हैं और सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों से आग्रह करते हैं कि वे अंतर्राष्ट्रीय कानून और प्रासंगिक यूएनएससीआर के तहत अपने दायित्वों के अनुसार इस संबंध में सभी प्रासंगिक अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करें।

वाशिंगटन डीसी स्थित अमेरिकी विदेश विभाग में कल क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक आयोजित की गई।

कोरोना वैक्सीन और हार्ट अटैक से हो रही मौतों के बीच कोई संबंध नहीं : स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली/एजेंसी

देश में हाल के दिनों में हार्ट अटैक से अचानक मौत के कई मामले देखने को मिले हैं। इसके बाद ये सवाल उठने लगे कि इसका कहीं कोरोना वैक्सीन से कनेक्शन तो नहीं है। ऐसे में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 वैक्सीन को लेकर चल रही इन तमाम अफवाहों को खारिज करते स्पष्ट किया कि देश में कई एजेंसियों के माध्यम से अचानक अस्पष्टीकृत मौतों के मामले की जांच की गई है। इन अध्ययनों ने निर्णायक रूप से स्थापित किया है कि कोरोना टीकाकरण और देश में अचानक मौतों की रिपोर्ट के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत में कोरोना टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं, जिनमें गंभीर दुष्प्रभावों के बहुत कम मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अचानक हृदय संबंधी मौतें कई तरह के कारकों के कारण हो सकती हैं, जिनमें आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियां और कोविड के बाद की जटिलताएं शामिल हैं। आईसीएमआर और एनसीडीसी अचानक अस्पष्टीकृत मौतों के पीछे के कारणों को समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। खासकर 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं में इसका पता लगाने के लिए, अलग-अलग शोध दृष्टिकोणों का उपयोग करके दो पूरक अध्ययन किए गए।

एक पिछले डेटा पर आधारित और दूसरा वास्तविक समय की जांच से जुड़ा हुआ है। आईसीएमआर के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान (एनआईई) द्वारा किए गए पहले अध्ययन का शीर्षक था "भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों से जुड़े कारक - एक बहुकेंद्रित मिलान केस-कंट्रोल अध्ययन।"

कांवड़ यात्रा पर फिर सियासत तेज

दिग्विजय सिंह और एसटी हसन के बयानों पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली/एजेंसी

कांवड़ यात्रा को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एसटी हसन के बयानों पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर हिंदू विरोधी मानसिकता फैलाने का आरोप लगाया। वहीं एसटी हसन ने कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछे जाने की घटनाओं की तुलना आतंकवाद से कर दी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि यात्रा में अगर राज्य सरकारें सुविधाएं देती हैं तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब इस यात्रा का इस्तेमाल नफरत फैलाने के लिए किया जाता है, तब दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में नफरत फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

एसटी हसन ने धार्मिक पहचान पूछने पर उठाए सवाल

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने दावा किया कि उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा होटल कर्मियों और स्थानीय दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछी जा रही है।

ट्रेन रिजर्वेशन चार्ट तैयार करने का समय बदला, अब 8 घंटे पहले तैयार होगी सूची

नई दिल्ली/एजेंसी

रेल मंत्रालय ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरक्षण सूची (चार्ट) तैयार करने के नियमों में बदलाव किया है। नए निदेशों के अनुसार, अब यात्रियों को अपने यात्रा की स्थिति पहले से पता चल सकेगी, जिससे उन्हें समय रहते सीट की उपलब्धता की जानकारी मिल सकेगी। रेलवे बोर्ड की ओर से बुधवार को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब विभिन्न समय पर चलने वाली ट्रेनों के लिए पहले आरक्षण चार्ट तैयार करने की प्रक्रिया को दो हिस्सों में बांटा गया है। अब सुबह 5 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच रवाना होने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट पिछली रात 9 बजे तक तैयार कर लिया जाएगा। वहीं दोपहर 2 बजे से रात 12 बजे और मध्यरात्रि से सुबह 5 बजे तक चलने वाली ट्रेनों के लिए पहला आरक्षण चार्ट प्रस्थान से 8 घंटे पहले तैयार किया जाएगा।

मानसून में जल निकासी प्रबंधों के लिए हर जिले को दिए पचास लाख

बाढ़ से बचाव की तैयारी के लिए प्रत्येक जिले को साढ़े चार लाख जारी

मुख्यमंत्री ने मॉनसून सीजन को लेकर सभी उपायुक्तों की ली बैठक

चंडीगढ़/एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मौजूदा मॉनसून सीजन के मद्देनजर अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी ड्रेनों की पूरी तरह सफाई सुनिश्चित की जाए और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बचने के लिए प्रभावी जल निकासी प्रणाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न सडकों, पुलों के निर्माण तथा जल निकासी के लिए भूमिगत पाइपलाइन बिछाने की प्रगति की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि बाढ़ की तैयारियों के लिए प्रत्येक जिले को 4.50 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसके अतिरिक्त, जल निकासी कार्यों के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को 50 लाख रुपये दिए गए हैं। आवश्यकता पड? पर राज्य आपदा प्रबंधन कोष के तहत अतिरिक्त धनराशि भी आवंटित की जा सकती है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी दिनों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए सभी उपायुक्त अपने-अपने जिलों में बारिश के पानी की निकासी के लिए आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रत्येक जिले में उपलब्ध पंपों की संख्या की जानकारी ली।

उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पंपों को पूरी तरह चालू स्थिति में रखा जाए ताकि वर्षा जल की निकासी में कोई समस्या न हो। साथ ही उन्होंने सभी उपायुक्तों को अपने जिलों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, शहरी स्थानीय निकाय, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के पास उपलब्ध पंपों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पडने पर उनका समुचित उपयोग किया जा सके।

हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटा, एक की मौत, कई लापता, छह जिलों में बाढ़ की चेतावनी

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश कहर बरपा रही है। मंडी जिले में बीती रात कई जगह बादल फटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। करसोग उपमंडल में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की आयु 45 वर्ष है जबकि दो अन्य लापता हैं। करसोग के डीएसपी ने इसकी पुष्टि की। मंडी जिला के गोहर के स्यांज गांव में नाले में आये सैलाब में नौ लोग लापता हैं। मां-बेटी को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन अन्य की तलाश जारी है। मंडी जिले में कई जगह तबाही का मंजर है। पंडोह बाजार में जलभराव के चलते लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाखली और कुकलाह पुल टूट गए हैं और चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाइवे पूरी तरह बंद है। पटीकरी पावर प्रोजेक्ट को भी भारी नुकसान पहुंचा है। नदी-नाले उफान पर हैं। पंडोह डैम का जलस्तर 2922 फीट तक पहुंच गया है जो 2941 फीट के खतरे के निशान के करीब है। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए डेढ़ लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी ब्यास नदी में छोड़ा जा रहा है। मंडी शहर में पंचवक्त्र मंदिर तक पानी पहुंच गया। धर्मपुर की लौंगनी पंचायत के स्याठी गांव में भी कई घर, गौशालाएं और मवेशी बारिश में बह गए। मंडी इंदिरा आवास कॉलोनी और रघुनाथपधर में भी रातभर राहत-बचाव कार्य चला।

हमीरपुर के सुजानपुर के खेरी गांव में फंसे लोगों का रेस्क्यू

हमीरपुर जिले के सुजानपुर उपमंडल के खेरी गांव में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ने से 20 से अधिक लोग फंस गए, जिनमें से अब तक 15 को बचाया जा चुका है। प्रशासन व पुलिस की टीमों ने मोर्चा संभाला हुआ है। जंगलबेरी से पुलिस की बटालियन मौके पर डटी हुई है।

तीन जिलों के शिक्षण संस्थानों में अवकाश

लगातार बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए मंडी, कांगड़ा और हमीरपुर जिलों में आज सभी शिक्षण संस्थान बंद कर दिए गए हैं। उपायुक्त कांगड़ा, मंडी और हमीरपुर ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें, नदी-नालों से दूर रहें और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करें। मौसम विज्ञान विभाग ने चंबा, मंडी, हमीरपुर, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में अगले 24 घंटों के लिए बाढ़ का येलो अलर्ट जारी किया है। बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर, सोलन, ऊना जिलों में आज कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। राज्य में छह जुलाई तक भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

44 मौतें, 75 करोड़ की क्षति

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार 20 से 30 जून के बीच वर्षा जनित घटनाओं में 44 लोगों की जान जा चुकी है, 83 घायल हुए हैं और 5 लोग अब भी लापता हैं। सोमवार शाम तक राज्य भर में 259 सड़कें बंद थीं, 614 ट्रांसफार्मर ठप हो गए और 130 पेयजल योजनाएं बाधित हुई हैं। अब तक प्रदेश को 75 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हो चुका है।

पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, सुरक्षा बढ़ाई गई

एजेंसी
पटना। पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी भरा ई-मेल मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस सिलसिले में हवाई अड्डा थाना में मामला दर्ज किया गया है। ई-मेल में लिखा है कि एयरपोर्ट पर बम रखा गया है और वह जल्द फटने वाला है। एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। हवाईअड्डे के अधिकारियों ने पूरे परिसर में व्यापक छानबीन की है। जांच के दौरान कोई संदिग्ध या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है। बीती देररात हवाई अड्डा थाना में केस दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस ई-मेल भेजने वाले का पता करने में जुटी है। इसमें तकनीकी और साइबर विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। उधर, इस समय पटना एयरपोर्ट में चप्पे-चप्पे पर

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान तैनात हैं। एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले लोगों पर भी निगाह रखी जा रही है। एसपी (सिटी) दीक्षा ने बताया कि केस दर्ज कर आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) के साइबर सेल को जांच करने के लिए कहा गया है। पटना पुलिस भी अपने स्तर पर जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 18 जून को भी ई-मेल से पटना एयरपोर्ट को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी।

मणिपुर में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान समन्वित अभियानों में प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहली गिरफ्तारी इंफाल पूर्व के पोरोमपत पुलिस स्टेशन के अंतर्गत खुरई कोंगपाल थौबांडोंग क्षेत्र में हुई। पुलिस के अनुसार यह व्यक्ति घाटी क्षेत्रों में भूमि विवाद, महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित आपराधिक मामलों और ऋण वसूली का निपटारा करने वाली स्वयंभू 'कंगारू अदालत' चलाने में शामिल था। एक अलग अभियान में सुरक्षा कर्मियों ने थौबल जिले के एक प्राथमिक विद्यालय के पास लीरोंगथेल पित्रा से एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि तीसरे उग्रवादी को थौबल पुलिस स्टेशन के अंतर्गत चरंगपत ममांग लेईकाई में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि तीनों उग्रवादी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं और जांच जारी है। अधिकारियों ने आतंकवाद विरोधी प्रयासों को तेज करने और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

कमजोर समुदाय के बच्चों के शिक्षा अधिकार को छीन रहा है भाजपा का विकास मॉडल : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को दलित, आदिवासी और पिछड़ा विरोधी करार देते हुए कहा है कि उसका विकास मॉडल इन वर्गों के बच्चों के शिक्षा के अधिकारों को छीनने वाला है इसीलिए भाजपा सरकार के आने के बाद 84 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किये गये हैं। श्री गांधी ने कहा, भाजपा का विकास मॉडल ग़रीबों से, खासकर दलितों, आदिवासियों और ओबीसी बच्चों से, शिक्षा का अधिकार छीनने वाला मॉडल है। उत्तर प्रदेश में 5,000 से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं। साल 2014 से अब तक देशभर में 84,441 सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं जिनमें से अधिकांश तीन भाजपा शासित राज्यों, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में बंद हुए हैं।उन्होंने कहा कि यह सिर्फ स्कूल बंद करना नहीं है, बल्कि संविधान में दिए गए शिक्षा के अधिकार और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के उस ऐतिहासिक कानून पर सीधा हमला है, जिसने हर गांव के बच्चे को स्कूल तक पहुंचाया और नामांकन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी की थी। बाबासाहेब अंबेडकर ने कहा था कि शिक्षा शेरनी का दूध है, जो पिएगा वह दहाड़ेगा, लेकिन आज

शिक्षा ही छीनी जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि स्कूल बंद करने के फैसले के ख़िलाफ़ छात्र और शिक्षक सड़कों पर हैं, मगर सरकार उनकी आवाज़ सुनने के बजाय उन्हें सताने और शिक्षा व्यवस्था को और कमज़ोर करने में जुटी है। जबकि ज़रूरत इसे मजबूत करने और हर बच्चे तक समान, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने की है।

'कक्षा एक से छह तक क्षेत्रीय भाषा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए', भाषा विवाद पर बोले आठवले

रायपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने मंगलवार सुबह छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री अठावले ने रायपुर के माना में स्थित स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। इस दौरान महाराष्ट्र में चल रहे भाषा विवाद को लेकर पूछे गए प्रश्न का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री अठावले ने कहा कि महाराष्ट्र में थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी फॉर्मूले को लेकर विवाद था। हिंदी हमेशा से हमारी राष्ट्रीय भाषा रही है और हम इसका सम्मान करते हैं, लेकिन कुछ लोगों ने तर्क दिया कि मराठी स्कूलों में किसी अन्य भाषा को पढ़ाने की कोई आवश्यकता नहीं है। मराठी लोगों ने इसका विरोध किया। हालांकि, देवेंद्र फडणवीस की सरकार ने किसी भी आंदोलन से पहले ही हिंदी भाषा के अनिवार्य उपयोग के फैसले को रद्द कर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कूलों में हिंदी को लागू करना चाहिए।

डिजिटल इंडिया के 10 वर्ष, पीएम मोदी ने कहा - ये सशक्तीकरण के नए युग की शुरुआत

एजेंसी
नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'डिजिटल इंडिया' के 10 वर्ष पूरे होने के साथ ही अगला दशक और भी अधिक परिवर्तनकारी होगा, क्योंकि देश 'डिजिटल शासन' से 'ग्लोबल डिजिटल लीडरशिप' की ओर बढ़ेगा। जहां भारत, इंडिया-फर्स्ट से इंडिया-फॉर-द-वर्ल्ड की ओर रुख करेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज एक ऐतिहासिक दिन है क्योंकि हम डिजिटल इंडिया के 10 वर्ष मना रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'दस वर्ष पहले, डिजिटल इंडिया की शुरुआत हमारे देश को डिजिटल रूप से सशक्त और तकनीकी रूप से उन्नत समाज में बदलने की पहल के रूप में हुई थी।' पीएम मोदी के अनुसार, 'डिजिटल इंडिया' केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रह गया है, यह लोगों का आंदोलन बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट में कहा, 'यह 'आत्मनिर्भर

भारत' के निर्माण और भारत को दुनिया के लिए एक विश्वसनीय इनोवेशन पार्टनर बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। सभी इनोवेटर्स, उद्यमियों और सपने देखने वालों के लिए दुनिया अगली डिजिटल सफलता के लिए भारत की ओर देख रही है।' पीएम मोदी ने कहा कि जहां दशकों तक भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर संदेह किया जाता रहा, वहीं हमने इस दृष्टिकोण को बदल दिया और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, 'जबकि दशकों तक यह सोचा जाता रहा कि टेक्नोलॉजी का उपयोग संपन्न और वंचितों के बीच की खाई को गहरा करेगा, हमने इस मानसिकता को बदला और संपन्न और वंचितों के बीच की खाई को खत्म करने के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग किया। जब इरादा सही हो, तो इनोवेशन कम सशक्त लोगों को सशक्त बनाता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो टेक्नोलॉजी हाशिये पर रहने वालों के जीवन में बदलाव लाती है।

इस विश्वास ने डिजिटल इंडिया की नींव रखी, जो कि पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और सभी के लिए अवसर प्रदान करने का मिशन है। 2014 में भारत में करीब 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे, जो कि बढ़कर अब 97 करोड़ से ज्यादा हो गए हैं। 42 लाख किलोमीटर से ज्यादा ऑप्टिकल फाइबर केबल अब सबसे दूरदराज के गांवों को भी जोड़ती है।

वक्फ को लेकर तेजस्वी के बयान पर भाजपा हमलावर, 'क्या- आरजेडी को चाहिए शरिया कानून'

एजेंसी
नई दिल्ली। वक्फ को लेकर राष्ट्रीय जनता दल(आरजेडी) नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी लगातार हमलावर है। मंगलवार को आरजेडी पर हमला तेज करते हुए भाजपा ने कहा कि उन्हें देश में शरिया कानून चाहिए। ये नमाजवादी बाबा साहेब का संविधान नहीं चाहते हैं और न ही संविधान का सम्मान करते हैं। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को प्रेस वार्ता में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि कल प्रेसवार्ता में भाजपा ने बड़ी प्रखरता से मुद्दा उठाया था कि जो बिहार में अपने आप को समाजवादी बताते हैं, उनका असली चेहरा नमाजवादी है। इनको केवल शरिया कानून चाहिए, इनको हलाला चाहिए। इनकी समझ है कि केवल एक धर्म विशेष का सशक्तिकरण हो।

गौरव भाटिया ने कहा कि पूर्व उप मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव कह रहे थे कि भारत की संसद से पारित वक्फ संशोधन कानून को कूड़ेदान में डाल देंगे। नमाजवादी और तुष्टिकरण के मसीहा

मौलाना तेजस्वी यादव ये हमें बताइए कि क्या आपने कभी संविधान पढ़ा है, कभी उसकी मूल भावना को चरितार्थ किया है? उन्होंने कहा कि यह कहना गलत नहीं होगा कि अगर किसी को जंगलराज देखना है तो लालू यादव, तेजस्वी यादव और आरजेडी के शासन को देख लें। जंगलराज में सबसे पहले संविधान और कानून का शासन खत्म होता है और तेजस्वी यादव विपक्ष में बैठकर भी यही कर रहे हैं।

तेलंगाना फार्मा प्लांट ब्लास्ट : 32 हुई मृतकों की संख्या, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

एजेंसी
हैदराबाद । तेलंगाना के पाशमैलारम स्थित एक फार्मास्यूटिकल इकाई में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर 32 हो गई है। सोमवार देर रात तक लगभग 15 घायल लोगों की अस्पताल में मौत हो गई। तेलंगाना के सबसे भयानक औद्योगिक हादसे में मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है, क्योंकि बचावकर्मी विस्फोट के प्रभाव से ढही तीन मंजिला इमारत के मलबे में शवों की तलाश कर रहे हैं।

सोमवार सुबह संगारेड्डी जिले के पाशमैलारम औद्योगिक क्षेत्र में स्थित सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड की दवा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ। ये विस्फोट सिगाची इंडस्ट्रीज लिमिटेड के फार्मास्यूटिकल कारखाने में माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलूलोज ड्राइंग यूनिट में हुआ था, जिसमें 35 कर्मचारी झुलस गए और उनमें से 11 की हालत गंभीर बताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, 27 कर्मचारी अभी भी लापता हैं। उनके मलबे में फंसे होने की आशंका है।

राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण

एजेंसी, राजस्व और पुलिस के कर्मियों ने मलबा हटाना जारी रखा है। मृतकों में अधिकांश प्रवासी मजदूर थे, जो बिहार, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों से थे। विस्फोट के समय कारखाने में 108 कर्मचारी मौजूद थे। विस्फोट इतना जोरदार था कि इसकी आवाज पांच किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए 15 दमकल गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कर्मचारी हवा में उछलकर कई मीटर दूर जा गिरे। कुछ पीड़ितों के शव टुकड़ों में बिखर गए या पूरी तरह जल गए, जिसके कारण उनकी पहचान के लिए डीएनए परीक्षण किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मंगलवार को हादसे की जगह का दौरा करेंगे और सरकारी अस्पताल में घायलों से मिलेंगे। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने घटनास्थल का दौरा किया।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों को मिली गर्मी से राहत, अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज

एजेंसी
नई दिल्ली । दिल्ली-एनसीआर में अगले एक हफ्ते तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और मौसम सुहाना रहेगा, लेकिन ह्यूमिडिटी के चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग के मुताबिक 1 से 6 जुलाई तक बारिश की संभावना है। हालांकि, मौसम विभाग की ओर से किसी प्रकार की चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 जुलाई से लेकर 4 जुलाई तक हर दिन 'थंडरस्टॉर्म विथ रेन' यानी गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। इस दौरान अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। 1 जुलाई को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री रहेगा। जबकि नमी (ह्यूमिडिटी) 90 प्रतिशत से 75 प्रतिशत के बीच दर्ज की गई है। 2 जुलाई को तापमान 34 डिग्री और 26 डिग्री और 3 जुलाई को 33 डिग्री और 27 डिग्री रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि 5 और

6 जुलाई को मौसम 'रेन और थंडरशावर' यानी बारिश या गरज-चमक के साथ हल्की फुहारों के रूप में रहेगा। 5 जुलाई को अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 27 डिग्री, जबकि 6 जुलाई को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री रहेगा। इस दौरान ह्यूमिडिटी की दर 70 से 85 प्रतिशत तक बनी रहेगी। हालांकि, बारिश से मौसम कुछ हद तक राहत देगा, लेकिन वातावरण में अधिक नमी के कारण उमस लोगों को परेशान कर सकती है। सुबह और शाम के समय लोगों को सुहाना मौसम महसूस हो सकता है। लेकिन, दिन में गर्मी से राहत मिलने में थोड़ा समय लग सकता है।

हिमाचल में खराब मौसम के बीच एचआरटीसी बस पलटी, 44 से ज्यादा यात्री घायल

एजेंसी
शिमला। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नालागढ़ क्षेत्र में मंगलवार को भारी बारिश के बीच सड़क हादसा हो गया। नालागढ़-स्वरघाट मार्ग पर हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की एक बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे हादसे में 44 से अधिक सवारियां घायल हो गई। यह हादसा गोलाजमाला के पास हुआ, जहां सरकाघाट डिपो की बस फिसलन भरी सड़क पर संतुलन खो बैठी और पलट गई। घायलों को तुरंत लोगों की मदद से नालागढ़ के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में

जुट गई है। हादसे के कारण मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित भी रहा। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बस हादसे की जांच की जा रही है और घायलों को हरसंभव मदद प्रदान की जा रही है। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश से सड़क फिसलन भरी हो गई थी। इससे ड्राइवर को बस पर नियंत्रण बनाए रखना मुश्किल हो गया। बस में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही अस्पताल में डॉक्टरों की अतिरिक्त टीम तैनात कर दी गई। इसी बीच भारी बारिश और भूस्खलन के कारण सोलन जिला में यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। कुमारहट्टी गलयाना और पानी के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग-05 (एनएच-05) को ऊपरी दिशा में जाने वाले वाहनों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। यात्री अब समलेच सुरंग के माध्यम से गंतव्य की ओर जा रहे हैं। प्रशासन ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे मौसम की गंभीरता को देखते हुए सावधानी से वाहन चलाएं और यातायात नियमों का पालन करें।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गोरखपुर में आयुष विवि का किया लोकार्पण

एजेंसी
गोरखपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को गोरखपुर में उत्तर प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण किया। यह आयुष विश्वविद्यालय भटहट क्षेत्र के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बना है। इस विश्वविद्यालय के निर्माण में 267.50 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। यूपी के पहले आयुष विवि से चिकित्सा-शिक्षा के साथ रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। इस मौके पर राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि आयुर्वेद, यूनानी व होम्योपैथ की ओपीडी पहले से जारी है। अब पंचकर्म व शल्य चिकित्सा की भी सुविधा मिलेगी। इसका असर प्रदेश के कृषि क्षेत्र पर भी पड़ेगा। औषधीय पौधों की खेती की भी मांग बढ़ेगी।

नीतीश कैबिनेट ने मां सीता की जन्मस्थली पुनौराधाम के विकास के लिए स्वीकृत किए करीब 883 करोड़ रुपये

एजेंसी
पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में मां सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी के पुनौराधाम को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र अयोध्या के अनुरूप विकास किए जाने के लिए 882 करोड़ 87 लख रुपये की स्वीकृति सहित 24 प्रस्तावों पर अपनी मुहर लगाई है। कैबिनेट की बैठक में आज 24 एजेंडों में मुख्यमंत्री कलाकार पेंशन योजना को भी स्वीकृति मिली है। इसमें बिहार राज्य के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए निरंतर योगदान देने वाले राज्य के वरिष्ठ एवं आजीविका संकट से जूझ रहे उत्कृष्ट कलाकारों को 3000 रुपये पेंशन दिया जाएगा। साथ ही मुख्यमंत्री प्रतिज्ञा योजना अंतर्गत 2025-26 में 5000 लाभार्थी और वित्तीय वर्ष 2026-27 से लेकर 2030- 31 तक 100000 युवाओं को लाभ देने का लक्ष्य तय किया गया है। बिहार में मुख्यमंत्री गुरु शिष्य परंपरा योजना शुरू की जाएगी। इसके लिए 2025-26 में एक करोड़ 11 लाख 60000 रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति मिली है। केंद्र प्रायोजित नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3635. 15 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। चतुर्थ कृषि रोड मैप योजना के तहत सब-मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन योजना के कार्यान्वयन की स्वीकृति मिली है। बामेती एवं जिला स्तरीय कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण को वित्तीय वर्ष 2025 -26 के लिए 80 करोड़ 99 लाख 20000 स्वीकृत किए गए हैं। चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत काम होंगे। मिट्टी जांच प्रयोगशाला की स्थापना के लिए 2025-26 में 30 करोड़ 49 लाख 37, 227 रुपये की स्वीकृति दी गयी है। बिहार विधानसभा सचिवालय में प्रशासनिक संवर्ग में निदेशक राजीव कुमार का संविदा आधारित नियोजन समाप्त होने के बाद 1-7-2025 से 1 वर्ष के लिए निर्देशक के पद पर संविदा आधारित नियोजन विस्तारित करने की स्वीकृति मिली है।

प्रधानमंत्री ने हूल दिवस पर आदिवासी नायकों को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी
नई दिल्ली। हूल दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के आदिवासी समाज के अदम्य साहस और असाधारण पराक्रम को नमन किया। ऐतिहासिक संथाल क्रांति को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों- सिदो-कान्हु, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ-साथ अनगिनत अन्य बहादुर आदिवासी शहीदों की चिरस्थायी विरासत को सम्मानित किया, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ अपने प्राणों की आहुति दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, हूल दिवस हमें अपने आदिवासी समाज के अदम्य साहस और अद्भुत पराक्रम की याद दिलाता है। ऐतिहासिक संथाल क्रांति से जुड़े इस विशेष अवसर पर सिदो-कान्हु, चांद-भैरव और फूलो-झानो के साथ ही उन सभी वीर-वीरांगनाओं का हृदय से नमन और वंदन, जिन्होंने विदेशी हुकूमत के अत्याचार के खिलाफ लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया। उनकी शौर्यगाथा देश की हर पीढ़ी को मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रेरित करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि हूल दिवस हर साल 30 जून को 1855 के संथाल विद्रोह की याद में मनाया जाता है। यह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और सामंती-जमींदारी व्यवस्था के खिलाफ पहला आदिवासी विद्रोह था।

हत्या के मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत तीन को पकड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के गांधी नगर इलाके में हुई एक चाकूबाजी की घटना में पुलिस ने 12 घंटे के भीतर एक नाबालिग समेत तीन आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने उनके कब्जे से एक पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक चाकू बरामद किया है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि मामला 27 जून की रात का है, जब एक 19 वर्षीय युवक यश शर्मा को उसकी पीठ में चाकू के घाव के बाद अस्पताल लाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक यश शर्मा का एक अन्य व्यक्ति रिहान और उसके साथियों मोहम्मद अमान और उर्फ हार्दू से मामूली विवाद हुआ था। जब उनकी स्कूटी रिहान से टकरा गई थी। इसके बाद आरोपियों ने यश और उसके चचेरे भाई अमन शर्मा का पीछा किया और यश को चाकू मार दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपियों के छिपने के ठिकाने के बारे में जानकारी जुटाई। पुलिस की विशेष टीम ने गांधी नगर में जाल बिछाया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि स्कूटी के टकराने को लेकर हुआ विवाद हत्या का कारण बना। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद अमान, लकी और एक नाबालिग के रूप में हुई।

अरविंद केजरीवाल ने तेलंगाना में केमिकल कारखाने में विस्फोट पर जताया दुख

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पशमिलाराम औद्योगिक क्षेत्र में एक केमिकल कारखाने में विस्फोट में जान गवाने वालों के लिए शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटना बेहद दुखद है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि तेलंगाना की केमिकल कारखाने में धमाके की खबर बेहद दुखद और चिंताजनक है। इस हादसे में जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। उन्होंने कहा कि मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना में सुबह केमिकल फैक्ट्री में धमाका हो गया। जिसके कारण से कई मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हैं।

'ऑपरेशन मिलाप' के तहत 3 साल के लापता बच्चे खोजकर परिवार से मिलवाया

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सदर बाजार थाना पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत एक घंटे में तीन साल के लापता बच्चे को खोजकर उसके परिवार से मिलवाया। यह घटना 29 जून की शाम सदर बाजार क्षेत्र में हुई। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि 29 जून को सदर बाजार पुलिस की टीम शाम के समय गश्त पर थी। इस दौरान करीब 6 बजे पुलिस टीम ने सदर बाजार के बड़ा टूटी चौक पर एक तीन साल के बच्चे को अकेले रोते हुए देखा। बच्चा काफी घबराया हुआ था और कोई जानकारी देने की स्थिति में नहीं था। पुलिस ने तुरंत बच्चे को अपनी देखरेख में लिया और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। महिला एसआई दीपिका भी टीम के साथ थी और बच्चे के माता-पिता की तलाश में जुट गई। बच्चे को शांत करने के लिए पुलिस टीम ने उसे बिस्किट और आइसक्रीम जैसी खाने-पीने की चीजें दीं। इसके बाद बच्चे के परिवार की तलाश में कई प्रयास किए गए।

प्रधानमंत्री बुधवार से पांच देशों की यात्रा पर, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की यात्रा पर रहेंगे। इसमें घाना, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया का दौरा शामिल है। इस दौरान वे ब्राजील में 6-7 जुलाई को आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। सचिव (पूर्व) पी. कुमारन ने पत्रकार वार्ता में प्रधानमंत्री मोदी के यात्रा कार्यक्रम और उससे जुड़े महत्पूर्ण बिन्दुओं की जानकारी दी उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव ब्राजील है। यहां प्रधानमंत्री ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन 6 से 7 जुलाई के बीच आयोजित होगा। ब्रिक्स

शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद प्रधानमंत्री ब्राजील में ही राजकीय मेहमान बनेंगे और द्विपक्षीय यात्रा की शुरुआत करेंगे। राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। प्रधानमंत्री की आगामी यात्रा पर सचिव (दक्षिण) नीना मल्होत्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री कमला प्रसाद-बिसेसर के निमंत्रण पर 3-4 जुलाई तक त्रिनिदाद और टोबैगो की आधिकारिक यात्रा करेंगे। यह यात्रा एक उपयुक्त समय पर हो रही है। इस वर्ष त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय प्रवासियों के आगमन की 180वीं वर्षगांठ मना रहा है। त्रिनिदाद और टोबैगो के वर्तमान में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों ही भारतीय मूल के हैं। संयोग से दोनों पदों पर महिलाएं हैं और दोनों वकील हैं। दोनों को अपनी भारतीय जड़ों और विरासत पर गहरा गर्व है और वे खुद को भारत की बेटियां बताती हैं।

संगारेड्डी में केमिकल फैक्ट्री हादसे पर गृह मंत्री अमित शाह ने जताया शोक

एजेंसी
नई दिल्ली। तेलंगाना के संगारेड्डी ज़िले में एक केमिकल फैक्टरी में हुए दर्दनाक हादसे को लेकर पूरे देश में शोक की लहर है। इस हादसे पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है और प्रभावित परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा, तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक केमिकल फैक्टरी में हुए दुखद हादसे से व्यथित हूं। एनडीआरएफ की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर राहत एवं बचाव कार्य में लगी हुई है। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। यह हादसा फैक्टरी में हुए एक रासायनिक रिसाव या विस्फोट के कारण हुआ। इसकी वजह से कई लोग झुलस गए और कुछ की मौत हो

गई। राहत एवं बचाव कार्य तेज़ी से जारी है और घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ की टीमें संयुक्त रूप से बचाव कार्य में लगी हैं। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

देश भक्ति के गीत मन को भावों से भर देते हैं : खट्टर

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर का कहना है कि गीत खासकर देशभक्ति के गीत मन में जो भाव पैदा करते हैं उससे राष्ट्र का कार्य करने में एक आनंद की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम भी एक गीत ही था जिसने जन-जन के मन में देश की आजादी के लिए बलिदान की प्रेरणा पैदा की थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक रहते हुए गीतों के साथ अपने मन के भाव को साझा करते हुए खट्टर ने कहा कि आज से 100 साल पूर्व डॉक्टर हेडगेवार ने इस देश की आजादी को चिरस्थाई रखने के लिए ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचलित 100 गीतों के एक संकलन को लोकार्पित करते हुए उन्होंने कहा कि संघ की यात्रा में इन गीतों का बहुत महत्व रहा है। नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में आयोजित एक समारोह में संग सरिता नमक

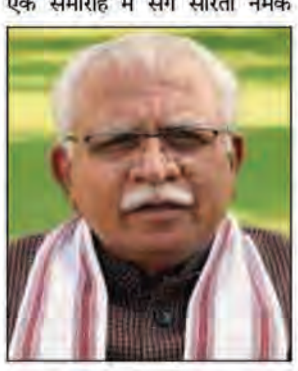

हितों के संग्रह को लोकार्पित किया गया। इस अवसर पर संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख शांत रंजन वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, पूर्व राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित प्रमुख रूप से उपस्थित थे। गीतों का संकलन संघ के ही वरिष्ठ प्रचारक विजय कुमार ने किया है। यह पूरा आयोजन एक प्रकार से संघ गीतों से जीवन में हुए परिवर्तन का अनुभव कथन जैसा था। सभी वक्ताओं ने बताया कि उनके जीवन में उसे समय जो गीत गाए जाते थे, उसका कैसा प्रभाव होता था। ऐसे में संघ की शताब्दी पर उन्हें गीतों को फिर से दोहराने का आनंद सभी वक्ताओं ने व्यक्त किया।

मुख्य वक्ता संत रंजन ने कहा कि गीत हमें कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा देते हैं। गीतों को गुनगुनाने से जो मानसिक विकास होता है और सामूहिक गीत से जो एकता स्थापित होती है। एक वातावरण बनता है उसकी कोई तुलना नहीं की जा सकती।

जुलाई महीने में देश में मासिक औसत वर्षा सामान्य से अधिक होने की संभावना

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत मौसम विभाग ने इस वर्ष जुलाई के महीने में देश में मासिक औसत वर्षा सामान्य से अधिक होने की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने बताया कि भौगोलिक दृष्टि से देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। हालांकि, पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के अधिकांश क्षेत्रों तथा सुदूर दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत के कई क्षेत्रों और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ क्षेत्रों में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना है।

मौसम विभाग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जुलाई में कई क्षेत्रों में मासिक औसत अधिकतम तापमान सामान्य से लेकर सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है, केवल पूर्वोत्तर भारत और उत्तर-पश्चिम, पूर्व और दक्षिणी प्रायद्वीप के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर, जहां तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। जुलाई के दौरान देश के अधिकांश भागों में मासिक औसत न्यूनतम तापमान

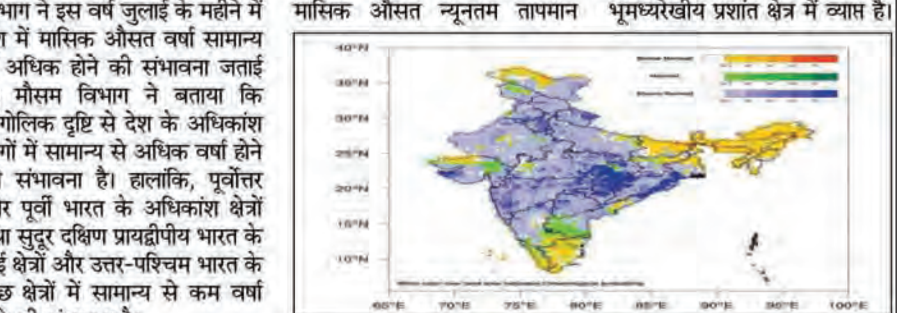

सामान्य से नीचे रहने की उम्मीद है। हालांकि पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों, दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों और उत्तर-पश्चिम, पूर्व और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में सामान्य से अधिक न्यूनतम तापमान की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि तटस्थ अल नीनो-दक्षिणी दोलन की स्थिति वर्तमान में भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में व्याप्त है। नवीनतम मानसून मिशन जलवायु पूर्वानुमान प्रणाली और अन्य जलवायु मॉडल के पूर्वानुमानों के अनुसार ये तटस्थ स्थितियां मानसून के मौसम के शेष अंत तक बनी रहेंगी। वर्तमान में भारतीय महासागर पर तटस्थ भारतीय महासागर डिपोल की स्थिति देखी जा रही है।

मप्र के मुख्मंत्री के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन : प्रधानमंत्री

एजेंसी
भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है। भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। इस विरासत को समृद्ध करते हुए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' नदियों को निर्मल, अविरल और सदानीरा बनाने के लिए जन-जागरूकता की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास रहा है। जन भागीदारी की शक्ति से ऊर्जित यह एक उत्कृष्ट अभियान बना, जिसमें मध्य प्रदेश के सामर्थ्यवान व प्रकृति प्रेमी साथियों का योगदान प्रशंसनीय रहा है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी। कार्यक्रम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के समापन अवसर पर

जारी अपने संदेश में कही। उन्होंने मुख्यमंत्री सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी। इस अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषत- जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 30 मार्च को गुड़ीपड़वा से आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री ने समारोह में 1568 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई परियोजना एवं तीन अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि पर्यावरण के साथ जुड़ाव और भावी पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ व सुंदर धरा सुनिश्चित करने का हमारा संकल्प जन-जन के भागीरथ प्रयासों से ही संभव हो पाएगा।

पुडुचेरी भाजपा के निर्विरोध अध्यक्ष बने वीपी रामलिंगम

एजेंसी
नई दिल्ली। पूर्व विधायक वीपी रामलिंगम को भाजपा की पुडुचेरी प्रदेश इकाई का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। रामलिंगम ने रविवार को इस पद के लिए नामांकन दाखिल किया था। इस पद के लिए वे एकमात्र उम्मीदवार थे। भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद वीपी रामलिंगम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उनके दृढ़ नेतृत्व, जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव और संगठन के प्रति अटूट प्रतिबद्धता निःसंदेह पुडुचेरी में पार्टी के विकास और मजबूती में एक नया मील का पत्थर साबित होगी। रामालिंगम से पहले एस. सेल्वगणपति भाजपा की पुडुचेरी इकाई के अध्यक्ष थे। 63 वर्षीय रामालिंगम ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत कांग्रेस से की थी। उन्होंने 2021 में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। रामालिंगम उन तीन भाजपा नेताओं में शामिल थे, जिन्हें पुडुचेरी विधानसभा में नामित किया गया था। उनके साथ के. वेंकटेशन और आरबी अशोक बाबू भी नामित विधायक थे। तीनों नामित विधायकों ने 27 जून को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश

पर अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। पेशे से व्यवसायी और रियल एस्टेट कारोबारी रामालिंगम के पास तकनीकी क्षेत्र में डिप्लोमा है। उनके बड़े भाई वीपी शिवकोलुंधु कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और वह पूर्व मुख्यमंत्री वी. नारायणसामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं।

जल्द घोषित होगी राष्ट्रीय सहकारिता नीति : अमित शाह

एजेंसी
नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में मंथन बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में देशभर के सहकारिता मंत्रियों, वरिष्ठ अधिकारियों और सहकारिता विभागों के सचिवों ने भाग लिया। शाह ने घोषणा की कि बहुत शीघ्र राष्ट्रीय सहकारिता नीति लागू की जाएगी, जो वर्ष 2025 से लेकर 2045 तक देश के सहकारी क्षेत्र का मार्गदर्शन करेगी। उन्होंने कहा कि हर राज्य अपनी स्थानीय आवश्यकताओं और परिस्थितियों के अनुसार अपनी सहकारिता नीति बनाएगा।

बैठक में प्राकृतिक खेती, ग्रामीण रोजगार सृजन और सहकारी संस्थाओं के विस्तार पर विशेष बल दिया गया। शाह ने कहा कि देश की एक बड़ी आबादी के पास सीमित संसाधन हैं और उनकी छोटी-छोटी पूंजी को मिलाकर बड़ा कार्य केवल सहकारिता के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सहकारी आंकड़ा-संग्रह तंत्र (डेटाबेस) के माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि देश के किन गांवों में अभी तक कोई सहकारी संस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य है कि आने वाले पांच वर्षों में देश का कोई भी गांव ऐसा न रहे, जहां कोई सहकारी संस्था न हो। शाह ने कहा कि त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के माध्यम से सहकारी क्षेत्र में प्रशिक्षण और क्षमता विकास की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने राज्यों से अनुरोध किया कि हर राज्य कम से कम एक प्रशिक्षण संस्था को इस विश्वविद्यालय से जोड़े। बैठक में दो लाख बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों की स्थापना, दुग्ध और मत्स्य सहकारिता के विस्तार, देश की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना तथा श्वेत क्रांति 2.0 जैसी पहलों पर भी विचार-विमर्श

किया गया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सहकारी निर्यात संस्था, राष्ट्रीय सहकारी जैविक संस्था और भारतीय बीज सहकारी संस्था जैसी नवगठित संस्थाओं की प्रगति की समीक्षा भी की गई। बैठक में यह भी तय किया गया कि सहकारी बैंकों में अधिक पारदर्शिता लाई जाएगी और उनके कार्यों का अधिकतम कम्प्यूटरीकरण किया जाएगा। शाह ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में अनुशासन, नवाचार और पारदर्शिता लाने के लिए मूल आदर्श अधिनियम (मॉडल एक्ट) को प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा। उन्होंने राज्यों से आह्वान किया कि सहकारिता के बीच सहयोग की भावना को अपनाकर देश को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने में सहकारिता की भूमिका को मजबूत करें।

मुख्यमंत्री ने की 'विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' की शुरुआत

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज 'विकसित दिल्ली मुख्यमंत्री इंटर्नशिप कार्यक्रम' की शुरुआत की है। इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा और कपिल मिश्रा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए बताया कि इस ऐतिहासिक योजना के तहत 150 प्रतिभाशाली युवाओं को 3 महीने की इंटर्नशिप में दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, वरिष्ठ अधिकारियों और फील्ड प्रोजेक्ट्स के साथ मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। उन्हें नीति निर्माण, फील्ड वर्क और समाधान लेखन का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा और 20,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय भी प्रदान किया जाएगा, ताकि उनके श्रम और योगदान को उचित सम्मान मिल सके। जो भी इस इंटर्नशिप कार्यक्रम से जुड़ना चाहते हैं, वह http://viksitdelhiyuva.org पर लॉग-इन कर या सिर्फ त्त्क कोड स्कैन कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और यूजर-फ्रेंडली है। उन्होंने बताया कि हमारे युवा साथियों के लिए यह सिर्फ एक इंटर्नशिप नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार के साथ मिलकर राजधानी के भविष्य को गढ़ने का सुनहरा अवसर है। यह जनभागीदारी से सुशासन को नया स्वरूप देने का संकल्प है।

दिल्ली का सच्चा विकास तभी संभव है, जब युवा पीढ़ी सिस्टम के भीतर आकर परिवर्तन की धारा का हिस्सा बने। हमारी सरकार युवाओं से केवल भागीदारी की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि उनके विचारों को अपने शासन प्रणाली में समाहित करने का भी उचित प्रयास करेगी। आज हम एक नई शुरुआत कर रहे हैं जहां दिल्ली का हर सपना, युवाओं की ऊर्जा और सहभागिता से साकार होगा।

राजस्थान के ग्राम बहज में मिले 7000 साल पुरानी लुप्त नदी के साक्ष्य, सरस्वती नदी से हो सकता है कनेक्शन

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को राजस्थान के डीग जिले के बहज गांव में 7000 पुरानी लुप्त हो चुकी नदी के साक्ष्य मिले हैं। विशेषज्ञ इसे पौराणिक काल की सरस्वती नदी से जोड़ कर देख रहे हैं। दरअसल एएसआई को बहज गांव के एक टीले में उत्खनन के दौरान 23 मीटर नीचे पेलियो चैनल यानी पानी की लहरों के साफ साक्ष्य मिले हैं। लहरों की दिशा उत्तर-पश्चिम से दक्षिण पूर्व दिशा की ओर है जो प्रयागराज दिशा की तरफ बहने की ओर इशारा करती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार सरस्वती नदी भी प्रयागराज में गंगा में मिलती थी। इस लुप्त नदी के लहरों की दिशा और इसके प्राचीनता को देखते हुए विशेषज्ञ इस लुप्त नदी को ऋग्वेद की सरस्वती नदी से जोड़ कर देख रहे हैं। हालांकि अभी इन साक्ष्यों पर विशेषज्ञ जांच कर रहे हैं। यह जल प्रणाली संभवतः प्रारंभिक मानव बस्तियों की ओर इशारा करती है जो सरस्वती घाटी को मथुरा और ब्रज क्षेत्रों से जोड़ती थी। इस बात को इसलिए भी जोड़ा जासकता है क्योंकि बहज से मथुरा करीब 35

किलोमीटर दूर है। एएसआई के जयपुर मंडल अधीक्षण पुरातत्त्वविद डॉ विनय कुमार गुप्ता ने बताया कि खुदाई स्थल के 23 मीटर की गहराई पर एक लुप्त नदी के बहाव के निशान मिले हैं। यह निशान बहज टीले के मध्य में मिले हैं तथा इसके ऊपर सिल्ट और कैल्क्रीट का जमाव है। बहज गांव की खुदाई में प्रचीन लुप्त नदी के साक्ष्य के साथ महाभारत कालीन पुरावशेष भी मिले हैं। बहज की खुदाई में 3.5 मीटर से लेकर 8 मीटर तक पेंटेंट ग्रे वेयर यानी चित्रित धूसर मृदभांड मिले हैं। जो हस्तिनापुर की खुदाई में 80 सेंटीमीटर तक मिला था। इस चित्रित धूसरमृदभांड संस्कृति को इतिहास में अब तक महाभारत कालीन माना जाता रहा है। उस लिहाज़ से बहज अब तक की सबसे महत्वपूर्ण साइट है क्योंकि इतने बड़ी संख्या में चित्रित धूसर मृदभांड जमाव आज तक कहीं भी प्राप्त नहीं हुआ है। एएसआई के मुताबिक बहज में 5000-4500 साल पुरानी सभ्यता के साक्ष्य भी मिले हैं जो गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति के समकालीन है। एएसआई के अनुसार खुदाई में मिट्टी के बर्तन और हवन कुंड हैं, जिनमें आयताकार और गोलाकार पेंटिंग और अग्नि अनुष्ठानों के अवशेष मिले हैं। यहां मिले पुरावशेष गणेश्वर-जोधपुरा संस्कृति के समकालीन हो सकती है। यानी 2500-2000 ईसा पूर्व के अवेशष मिले हैं। यहां काले रंग की चित्रकारी के साथ लाल मिट्टी के बर्तन मिले थे। गणेश्वर ने मुख्य रूप से हड़प्पा को तांबे की वस्तुओं की आपूर्ति की।

मुख्यमंत्री ने किया पुस्तक द अनटोल्ड केरल स्टोरी का विमोचन, बोलीं- बेटियों को सशक्त बनाया जाए

एजेंसी
नई दिल्ली । मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पुस्तक द अनटोल्ड केरल स्टोरी का विमोचन किया। इस मौके पर भाजपा प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी, पुस्तक के लेखक सुदीप्तो सेन और अंबिका जेके, फिल्म केरल स्टोरी के निदेशक विपुल शाह और सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित कहा कि यह पुस्तक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय को उठा रही है। पुस्तक बहुत बड़ी सच्चाई को सामने लाकर आ रही है। इसमें बहुत सारी बेटियों की दर्दनाक कहानियां हैं। उन्होंने कहा कि आज सरकार, समाज और परिवार को इस मुद्दे पर बच्चों से बात करके उन्हें सशक्त बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विषय राज्य सरकार के लिए महत्वपूर्ण है। इस पर उन्हें विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने इस मुद्दे पर मीडिया की चुप्पी पर भी सवाल उठाया और कांग्रेस और वामपंथियों गुमराह करने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएफआई को बैन करके बहुत बड़ा काम किया। सरकार और समाज को इन बच्चियों की जिंदगी बर्बाद होने से बचाना चाहिए। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पीएफआई ने केरल में योजना बनाकर बड़ी संख्या में लव जिहाद कराया है। इससे हजारों बच्चियों की जिंदगी बर्बाद हुई। सरकार, समाज और परिवार को इस मुद्दे पर सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को अपने धर्म, संस्कृति और संस्कार के बारे पूरी जानकारी देने चाहिए। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि हजार इंटरनेट पर फ्री में चीजें देकर बच्चों के दिमाग पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। हमें अपने बच्चों को अपनी गौरवशाली अतीत और संस्कार की जानकारी देकर सशक्त बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज हमारे समाज ऐसे बहुत से लोग हैं, जो धर्म के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं। फिर भी वह बार-बार टिप्पणी करके भ्रम की स्थिति उत्पन्न करते हैं। फिल्म निर्देशक विपुल शाह ने कहा अब भी इस समस्याओं पर कोई काम नहीं किया। इस किताब के द्वारा बहुत सारी बेटियों की कहानी उठाई गई। किताब में पीड़ित बच्चियों बहुत सारी है।

संपादक की कलम से

राष्ट्रीय खेल: खेलों के साथ राष्ट्रीय एकता का उत्सव

उत्तराखंड की सुरम्य वादियों में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल न केवल खेल प्रतिभाओं के प्रदर्शन का मंच बने, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक मेलजोल का जीवंत उदाहरण भी साबित हुए। इस भव्य आयोजन में देशभर से आए 10,000 से अधिक खिलाड़ी, कोच और अधिकारी खेल के साथ-साथ विभिन्न संस्कृतियों से परिचित होकर आपसी भाईचारे को मजबूत कर रहे हैं।

भोजन के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान

यह आयोजन भारतीय विविधता के बीच एकता का सांस्कृतिक संगम बन गया। यहां भाषा, परंपराओं और खानपान की दीवारें टूट गईं और खिलाड़ी एक परिवार की तरह जुड़ गए। नाश्ते की टेबल पर दक्षिण भारत के वड़ा-सांभर, उत्तराखंड के झोली-भात और पंजाब के राजमा एक साथ परोसे गए। महाराष्ट्र, असम और केरल के खिलाड़ी एक ही टेबल पर बैठकर एक-दूसरे के पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते और उनके बारे में चर्चा करते दिखे।

मैदान के बाहर रिश्तों की नई कहानी

भले ही खिलाड़ी मैदान पर अपने-अपने राज्यों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे, लेकिन मैदान के बाहर नई दोस्तियों की अनगिनत कहानियां बन रही थीं। बैडमिंटन कोर्ट पर प्रतिद्वंद्वी रहे खिलाड़ी शाम को फैन पार्क में हंसी-मजाक करते नजर आए। एक भावुक पल तब देखने को मिला जब डाइनिंग हॉल में काम करने वाले एक वॉलंटियर और कुछ खिलाड़ियों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। जब खिलाड़ी अपने राज्य लौटने लगे, तो विदाई के दौरान वॉलंटियर की आंखों में आंसू छलक आए, जो इन खेलों की आत्मीयता को दशार्ता है।

फैन पार्क में लोकनृत्य और संगीत का रंग

हर शाम फैन पार्क में विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें खिलाड़ी दर्शक ही नहीं, बल्कि कलाकार भी बने। उत्तराखंड के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत झोड़ा नृत्य में महाराष्ट्र, बंगाल और केरल के खिलाड़ियों ने भी कदम से कदम मिलाए। भांगड़ा की धुन पर तमिलनाडु और असम के खिलाड़ी भी झूमते नजर आए। यह नजारा भारत की विविध संस्कृतियों के बीच मिलन और नई ऊर्जा का प्रतीक बन गया। खिलाड़ी केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि उत्तराखंड की संस्कृति को भी करीब से देखने का अवसर मिला। कई खिलाड़ियों ने स्थानीय बाजारों से पहाड़ी टोपी और पारंपरिक वस्त्र खरीदे, तो कुछ ने गंगा आरती में शामिल होकर आध्यात्मिक अनुभव लिया। उत्तराखंडी व्यंजनों का स्वाद भी खिलाड़ियों को खूब भाया।

राष्ट्रीय एकता की मिसाल बना यह आयोजन

38वें राष्ट्रीय खेलों ने यह साबित कर दिया कि खेल केवल जीत-हार तक सीमित नहीं, बल्कि यह संस्कृतियों को जोड़ने और दोस्ती के नए रिश्ते बनाने का एक मजबूत मंच हैं। इस आयोजन के जरिए देश की एकता और आपसी समझ को और अधिक मजबूती मिली। उत्तराखंड की धरती पर हुआ यह आयोजन आने वाले वर्षों तक खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देता रहेगा।

दिल्ली से आम आदमी पार्टी की विदाई

हर्षवर्धन पाण्डे

दिल्ली की राजनीति में भाजपा की हालिया जीत और आम आदमी पार्टी की हार ने मौजूदा दौर में कई सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली में जब चुनावी डुगडुगी बजी तो भाजपा और आप दोनों ही दलों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। पहले केजरीवाल दिल्ली के चुनावों में हमेशा नरेटिव बनाया करते थे और विपक्ष उसकी काट नहीं ढूंढ पाता था लेकिन इस बार भाजपा ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के लिए सशक्त प्रचार की रणनीति अपनाई। मोदी ने चुनावी रैलियों में आप के खिलाफ दिल्ली का पैसा लूट लिया का बेहतर नरेटिव बनाकर भाजपा को प्रचार में आगे किया और केजरीवाल की रेवड़ी के नहले पर बड़ी रेवड़ी का दहला मारकर आप के कामकाज पर सवाल उठाए। साथ ही दिल्ली की जनता से वादा किया कि भाजपा सरकार बनने पर विकास के नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। मोदी और अमित शाह का प्रचार अभियान बड़े पैमाने पर था, जो स्थानीय मुद्दों को लेकर जनता से जुड़ा हुआ था।आप के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि उसने पिछले कुछ वर्षों में जिन विकास कार्यों को सबसे बड़ी सफलता के रूप में प्रस्तुत किया था, वे अब जनता के लिए उतने प्रभावी नहीं रहे। शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी के मुद्दों पर भले ही आप ने दिल्ली के लोगों को आकर्षित किया हो लेकिन यह महसूस किया गया कि अब कुछ नया नहीं है। लोगों ने यह देखा कि आप की सरकार दिल्ली में कुछ बड़े मुद्दों को सुलझाने में विफल रही जैसे रोजगार, महिला सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण। इसके साथ यमुना की सफाई नहीं हो सकी। आप में आंतरिक कलह और नेतृत्व की कमी भी हार का एक बड़ा कारण बनकर सामने आई। पार्टी के भीतर लगातार आपसी विवाद और संगठन के भीतर असंतोष ने आम आदमी पार्टी की छवि को प्रभावित किया। रही-सही कसर शराब घोटाले और इस मामले में उसकी टॉप लीडरशिप के जेल जाने ने पूरी कर दी। अरविंद केजरीवाल का नेतृत्व इस बार उतना प्रभावी नहीं था, जितना पहले था। दिल्ली में भाजपा ने एक बड़ी रणनीति के तहत पूर्वांचल समुदाय के लोगों के वोट बैंक के साथ महिला वोट बैंक और कुछ झुग्गियों के वोट बैंक को अपने पाले में खींचने में सफलता हासिल की। भाजपा ने अपनी रैलियों में स्थानीय मुद्दों को बेहतर तरीके से उठाया और यह संदेश देने की कोशिश की कि केवल वे ही दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली के कुछ क्षेत्रों में यह रणनीति काम आई क्योंकि भाजपा ने हर वर्ग को आकर्षित करने के लिए अपनी विचारधारा को मजबूती से प्रस्तुत किया इसमें कोई संदेह नहीं है कि केजरीवाल को मात देने के लिए भाजपा और संघ ने पूरा दम लगाया। उसने धारणा के स्तर पर केजरीवाल की कट्टर ईमानदार की छवि भंग कर दी थी और माइक्रो मैनेजमेंट किया। अरविंद केजरीवाल अन्ना की टोपी पहनकर ईमानदारी की राजनीति करके सत्ता में आए थे। दिल्ली की जनता उनसे संपूर्ण ईमानदारी की उम्मीद कर रहा था। तभी शराब नीति से जुड़े घोटाले में नाम आने और जांच शुरू होने के साथ अगर वे इस्तीफा देते तो यह उनका मास्टर स्ट्रोक साबित हो सकता था लेकिन कुर्सी से चिपके रहना उन्होंने पसंद किया। वह जेल में रहकर दिल्ली की सत्ता में बने रहना चाहते थे जिसने लोगों के मन में उनके प्रति धारणा बदली। जेल से छूट गए तो खुद को सीएम के रूप में मतदाताओं के बीच प्रोजेक्ट करने लगे, इससे सीएम बनने की उनकी महत्वाकांक्षाएं फिर से जगी। जेल जाकर सीएम बने रहना उनको भारी पड़ गया और शराब घोटाले में उन पर गंभीर आरोप लगे जो प्रकरण अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है और वह जमानत पर हैं। केजरीवाल के जेल जाने से दिल्ली पूरी तरह से ठहर-सी गई। केजरीवाल ने पिछले वर्ष के बजट में महिलाओं को नकद पैसे देने की घोषणा की थी लेकिन इस साल फरवरी के चुनाव तक महिलाओं को कोई पैसा नहीं मिला। उल्टा ये देखा गया महिलाओं से जो फार्म भरवाए गए वो कूड़े के ढेर में पाए जाने के वीडियो खूब वायरल हुए। दिल्ली के रामलीला मैदान में समाज के हर तबके ने अन्ना आंदोलन में हिस्सा लिया था। बाद में जब केजरीवाल ने आप के रूप में राजनीतिक दल बनाया तो समाज के हर तबके को फ्री की रेवड़ियों से आकर्षित किया। हालांकि शराब घोटाले के बाद दिल्ली के हर वर्ग में उन्हें लेकर असंतोष बढ़ने लगा। खासकर उन लोगों को निराशा हुई जो केजरीवाल से व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीदें लगाए बैठे थे। दो साल पहले एमसीडी में बहुमत के बाद भी दिल्ली की बिजली, पानी, सड़क जैसी बुनियादी समस्याएं दुरुस्त नहीं हो पाई।

स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है। यूरोप की सभ्यता पर यूनानी प्रभाव है। यूनान जर्मनी से पहले सभ्य हुआ। भारत यूनान से पहले। यूनानी दर्शन ईसा के 500-600 वर्ष पहले शुरू हुआ। इसके सैकड़ों बरस पहले भारत का वैदिक दर्शन प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका था। यूनानी सभ्यता की विकास भूमि क्रीट द्वीप है। क्रीट की कला के विश्लेषक रैनोल्ड हिगिंस के अनुसार ईसा के 2800 बरस पहले लघु एशिया के प्रवासी वहां सभ्यता ले गए। क्रीट के क्रोसोस नगर के प्रथम शासक मिनोस के नाम पर इसे मिनोअन सभ्यता कहा गया। मिकनी नगर यूनानी सभ्यता का केन्द्र बना। यह सभ्यता मखदूनिया, साइप्रस और इटली तक फैली। मिस्त्र से निकाले गए हुक्सोस मिकनी के शासक थे। टायनबी ने इन्हें आर्य व हिगिंस ने इन्हें भारतीय कहा। भाषा वैज्ञानिक वामपंथी विद्वान डॉ. रामविलास शर्मा ने बताया कि, आर्य भाषा बोलने वाले भारतीय मिनोअन-मिकीनियन राज्यों के संस्थापक थे। यूनानी सभ्यता, संस्कृति और दर्शन का विकास भारतीय सम्बंधों से हुआ। ऋग्वेद के मनु, मिस्त्र के प्रथम राजा मेनस और यूनान (क्रीट) के प्रथम शासक मिनोस भाषा की दृष्टि से संस्कृत के और संस्कृति की दृष्टि से भारतीय तत्व हैं। इंग्लैंड की सभ्यता यूनान से प्रेरित है। उन्होंने लैटिन, ग्रीक, मिस्त्र से संस्कृति और सभ्यता के तत्व पाए। भारतीय संपर्क से उन्हें पुष्ट किया। अंग्रेजी स्वयं में व्यवस्थित भाषा नहीं है। संस्कृत के तमाम शब्द अंग्रेजी में हैं। संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई। भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी ऐबिस सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद

संस्कृत का दिव्य ही अंग्रेजी का डिवाइन है। अंग्रेजी का ब्रदर संस्कृत का भ्रात है, फादर संस्कृत का पितृ है और मदर संस्कृत की मातृ है। गोदाम अंग्रेजी में गोडाउन है। पी.जी. सुब्बाराव ने इंडियन वर्ड्स इन इंग्लिश में ऐसे सैकड़ों दिलचस्प शब्दों की सूची दी है। अंग्रेजों ने जर्मन, फ्रेंच से भाषा के संस्कार पाए, रोमन लिपि अपनाई। भाषा विज्ञानी अलब्राइट व लैम्बिडन ने सुमेरी को प्राचीनतम लिखित भाषा बताया। इनके मुताबिक पश्चिम को सुमेरी ने प्रभावित किया। उन्होंने बताया अंग्रेजी ऐबिस सुमेरी का अब्ज (पृथ्वी के नीचे का जल) है। यूनानी में वह अबुस्सास है। बेबीलोन में इसे अप्सु कहते हैं। लेकिन ऋग्वेद (1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है।

(1.23.19, 9.43.9 और 9.30.5 आदि) में जलवाची अप और अप्सु शब्द भरे पड़े हैं। मिस्त्री, सुमेरी और संस्कृत में भूतल जल पर एक शब्दावली है। ऋग्वेद पुराना है, जाहिर है कि संस्कृत ही सबसे पहले सृष्टि के आदि तत्व जल की बोली बनी। विलियम जोन्स ने कहा कि, संस्कृत ग्रीक से अधिक निर्दोष, लैटिन से अधिक समृद्ध और इनमें किसी से भी अधिक उत्कृष्ट है। इसके बावजूद धातुओं और व्याकरणिक रूपों में यह इन दोनों से प्रगाढ़ सम्बंध रखती है, इतना प्रगाढ़ कि कोई भाषाविद् इनका एक ही स्त्रोत माने बिना छानबीन नहीं कर सकता। संस्कृत जाने बिना विश्व भाषा विज्ञान, विश्व भाषा परिवार, सृष्टि संरचना और विश्व सांस्कृतिक सम्बंधों का अध्ययन विश्लेषण संभव नहीं। भारत सांस्कृतिक तत्वों का भी निर्यातक था। पश्चिम एशिया में रूद्र-शिव की उपासना थी। गूर्ने ने दि हिटटाइटस (पृष्ठ 134) में बताया कि वे हित्तियों के विशेष देवता थे, उनके अनेक रूप थे। सीरिया के शिल्प में वह परशु चलाते हुए बिजली कौंधने के प्रतीक हैं। यूनानी (मिनोअन) संस्कृति में भी परशु खास प्रतीक हैं। इबान्स के मुताबिक यह परशु मिनोअन देवी और उसके पुरुष देवता का चिन्ह था। इसी परशु का उल्लेख ऋग्वेद में है। पश्चिमी भारत से दक्षिणी यूरोप, फिर उत्तरी यूरोप होते हुए परशु नाम का देव प्रतीक इंग्लैंड तक पहुंचा। अंग्रेजी विद्वान सम्भवतः नहीं मानते कि रुद्र का शिवत्व प्रागैतिहासिक काल में भी है। ऋग्वेद में वे अरुण-रूद्र हैं। वे जटाधारी भी हैं। यजुर्वेद में वे नमः शम्भवाय-नमः शिवाय भी हैं। जैसे सीरिया में वे बिजली कौंधने के प्रतीक हैं वैसे ही उसके बहुत पहले ऋग्वेद (7.46.3) में वे आकाश से बिजली गिराते हैं। यहां उनसे अमृत्व की महामृत्युंजय स्तुति (7.59.12) है। सभ्यता, संस्कृति, देवतंत्र, दर्शन, भौतिकी और आधुनिक ज्ञान-विज्ञान का आदि केन्द्र भारत है। यूरोपीय विद्वान एच.एस. मेन ने लिखा था, बीजगणित, अंकगणित में पश्चिमी सहायता के बिना ही ऊंचे दर्जे की दक्षता है। दशमलव प्रणाली के अविष्कार का हम पर ऋण है। अरबों ने अंक हिन्दुओं से पाए, यूरोप में फैलाए। यूरोपीय चिकित्सा पद्धति 17वीं सदी तक अरबी चिकित्सा थी। विलियम हंटर ने लिखा था कि, पश्चिम के विद्वान जब भाषा विज्ञान का विवेचन आकस्मिक समानताओं के आधार पर कर रहे थे, उस समय भारत में व्याकरण को मूल सिद्धांतों का रूप मिल चुका था। सारा ज्ञान विज्ञान, संस्कृति दर्शन संस्कृत में है, हिन्दी में भी है। बावजूद इसके अंग्रेजी पर जोर है, अंग्रेजी का शोर है। सवाल यह है कि जो संस्कृत और हिन्दी काव्य, साहित्य, दर्शन, विज्ञान, प्रीति और प्रेम की सहज अभिव्यक्ति है, वही विज्ञान और व्यापार की सशक्त भाषा क्यों नहीं है? भारत प्राचीनतम व अद्वितीय राष्ट्र है। मैक्समूलर ने लिखा, भारत के मानवी-मस्तिष्क ने कुछ सर्वोत्तम गुणों का पूर्ण विकास किया है। जीवन की बड़ी से बड़ी समस्याओं पर भारत द्वारा प्राप्त हल प्लेटो और कांट के दर्शन का अध्ययन किए हुए लोगों के लिए (भी) विचार करने योग्य है। यूनानी, रोमन और एक सेमेटिक जाति यहूदी के विचार मात्र पर पालित-पोषित यूरोप के हम लोग जीवन को अधिक परिपक्व, अधिक व्यापक, अधिक सार्वलौकिक, दरअसल सच्चे मानवीय बनाने के लिए भारत की ओर ही देखते हैं। भारतीय संस्कृति दर्शन की ऐसी प्रतिष्ठा पर गर्व करना चाहिए। स्वाधीनता संग्राम की भाषा मातृभाषा हिंदी थी लेकिन नए प्रभुवर्ग अंग्रेजी को वरीयता देते रहे हैं। गांधीजी ने कहा था, अंग्रेजी ने हिंदुस्तानी राजनीतिज्ञों के मन में घर कर लिया है। मैं इसे अपने देश और मनुष्यत्व के प्रति अपराध मानता हूं। (संपूर्ण गांधी वांगमय 29-312) संस्कृति, सृजन और संवाद की भाषा हिंदी है। बावजूद इसके अंग्रेजी का मोह बढ़ा, अंग्रेजी स्कूल बढ़े, अंग्रेजी प्रभुवर्ग की भाषा बनी। हिंदी का अंग्रेजीकरण भी हुआ। टीवी सिनेमा ने नई संकर भाषा को गले लगाया। हिंदी सौंदर्य और कला में व्यक्त करने का माध्यम थी-है। अंग्रेजीकृत हिंदी-हिंगलिश-मिश्रित बोली ने भारतीय सौंदर्यबोध को विकृत किया। अंग्रेजी मिश्रित हिंदी शैंपू और दाद खाज की दवा बेचने का माध्यम हो सकती है लेकिन सृजन और संवाद की भाषा नहीं हो सकती। स्वभाषा के बिना संस्कृति निष्प्राण होती है। लॉर्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था, उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक-सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी विदेशी और अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छा अनुरूप शासित राष्ट्र हो जाएं। वे असफल हुए। इसका कारण भारत की सांस्कृतिक निरंतरता है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

वैलेंटाइन डे: प्यार के उत्सव का नया बाजार

हर्षवर्धन पाण्डे

पिछले कुछ समय से ग्लोबलाइज्ड समाज में प्यार भी ग्लोबल ट्रेंड हो गया है। आज जहां इजहार और इकरार करने के तौर-तरीके बदल गए हैं, वहीं इंटरनेट के मौजूदा दौर में प्यार भी बाजारू हो चला है। प्यार का यह उत्सव एक बड़े बाजार को गिरफ्त में ले चुका है। हर जगह वैलेंटाइन की संस्कृति पसरती जा रही है। शहर से लेकर कस्बों तक यह तेजी से फैल चुका है। वैलेंटाइन के सम्बन्ध में कई किस्से प्रचलित हैं। रोमन कैथोलिक चर्च की मानें तो यह "वैलेंटाइन "अथवा "वलेंतिनस" नाम के तीन लोगों को मान्यता देता है जिसमें से दो के सम्बन्ध वैलेंटाइन डे से जोड़े जाते हैं लेकिन बताया जाता है इन दो में से भी संत वैलेंटाइन खास चर्चा में रहे। कहा जाता है संत वैलेंटाइन प्राचीन रोम में एक धर्मगुरू थे। उन दिनों वहां क्लाउडियस दो का शासन था। उसका मानना था अविवाहित युवक बेहतर सैनिक हो सकते हैं क्योंकि युद्ध के मैदान में उन्हें अपनी पत्नी या बच्चों की चिंता नहीं सताती। अपनी इस मान्यता के कारण उसने तत्कालीन रोम में युवकों के विवाह पर प्रतिबंध लगा दिया। किन्दवंतियों की मानें तो संत वैलेंटाइन ने क्लाउडियस के इस फैसले का विरोध करने का फैसला किया। बताया जाता है कि वैलेंटाइन ने इस दौरान कई युवक-युवतियों का प्रेम विवाह करा दिया। यह बात जब राजा को पता चली तो उसने संत वैलेंटाइन को 14 फरवरी को फाँसी की सजा दे दी। कहा जाता है संत के इस त्याग के कारण हर साल 14 फरवरी को उनकी याद में युवा "वैलेंटाइन डे" मनाते हैं । 1260 में संकलित की गई 'ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉराजिन' नामक पुस्तक में भी सेंट वेलेंटाइन का वर्णन मिलता है। इसके अनुसार रोम में तीसरी शताब्दी में सम्राट क्लॉडियस के अनुसार विवाह करने से पुरुषों की शक्ति और बुद्धि कम होती है। उसने फरमान जारी किया कि उसका कोई सैनिक या अधिकारी विवाह नहीं करेगा। संत वेलेंटाइन ने इस क्रूर आदेश का विरोध किया। उन्हीं के आह्वान पर अनेक सैनिकों और अधिकारियों ने विवाह किए। कैथोलिक चर्च की एक अन्य मान्यता के अनुसार एक दूसरे संत वैलेंटाइन की मौत प्राचीन रोम में ईसाइयों पर हो रहे अत्याचारों से उन्हें बचाने के दरम्यान हो गई। इस पर नई मान्यता यह है कि ईसाइयों के प्रेम का प्रतीक मानें जाने वाले इस संत की याद में ही वैलेंटाइन डे मनाया जाता है। एक अन्य किंदवंती के अनुसार वैलेंटाइन नाम के एक शख्स ने अपनी मौत से पहले अपनी प्रेमिका को पहला वैलेंटाइन संदेश भेजा जो एक प्रेम पत्र था। उसकी प्रेमिका उसी जेल के जेलर की पुत्री थी जहाँ उसको बंद किया गया था। उस वेलेंनटाइन नाम के शख्स ने प्रेम पत्र लिखा " फ्रॉम यूअर वेलेंनटाइन।" आज भी यह वैलेंटाइन पर लिखे जाने वाले हर पत्र के नीचे लिखा रहता है। क्लॉडियस ने 14 फरवरी को संत वेलेंटाइन को फांसी पर चढ़वा दिया। तब से उनकी स्मृति में प्रेम दिवस मनाया जाता है। कहा जाता है कि सेंट वेलेंटाइन ने अपनी मृत्यु के समय जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को नेत्रदान किया व जेकोबस को एक पत्र लिखा, जिसमें अंत में उन्होंने लिखा था 'तुम्हारा वेलेंटाइन।' 14 फरवरी के बहाने इस संत के नाम पर पूरे विश्व में यह दिवस मनाया जाने लगा। आज युवाओं में वैलेंटाइन की खुमारी सिर चढ़कर बोल रही है। इस दिन के लिए सभी पलकें बिछाये बैठे रहते हैं।

एआई की सौगात: संभावनाएँ और चुनौतियाँ

गिरीश्वर मिश्र

एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और उपयोग की दिशा में वैज्ञानिकों और तकनीकविदों ने कमाल की बढ़त हासिल की है और उनके अभियान का क्रम लगातार जारी है। एआई बड़ा संक्रामक है और देश-काल की सीमाओं को तोड़ते-फलांघते वह जल, थल और अंतरिक्ष हर कहीं मनुष्य की अप्रत्याशित रूप से त्वरित पहुँच का विस्तार करता जा रहा है। वैसे तो एआई भी एक नैसर्गिक यानी स्वाभाविक मानवीय बुद्धि का ही करिश्मा है परंतु आज जिस गति से सबकुछ में निर्बाध दखल देते हुए इसके जरिए जो बदलाव लाए जा रहे हैं वे दुनिया का नक़्शा ही बदल रहे हैं। निर्माण अपने निमार्ता की नियति तय करता दिख रहा है। आज वर्चुअल और डिजिटल को इस तरह स्थापित किया जा रहा है कि उनके आगे सत्य और यथार्थ हिलने-काँपने लगा है। मनुष्य सत्य और असत्य (झूठ) पर भरोसा करता आ रहा है। सत्य अर्थात वह जिसका अस्तित्व है (सत) परन्तु अब नाना प्रकार के सत्य अस्तित्ववान हो रहे हैं जिनमे अपनी पसंद से चुनना होता है पर जिस भी संस्करण के सत्य उभर रहे हैं उनके पीछे आ आई का हाथ जरूर होता है। वैसे तो किसी भी तरह के चुनाव का आधार मुख्य नियामक होता है ताकि होड़ लेते विभिन्न सत्यों के कई प्रत्याशियों के बीच असली या उपयोगी सत्य को खोज कर पहचाना जा सके। सत्य के साथ स्थिरता, निरंतरता और सातत्य या फिर अपरिवर्तनशीलता और विश्वसनीयता जैसे मानक भी स्वाभाविक रूप से जोड़ दिए जाते रहे हैं। परम और नित्य सत्य की

परिकल्पना हमें ईश्वर के करीब पहुँचा देती है। आज जब सत्य के निर्माण की छूट मिल रही है तो उसके कई परिणाम सामने आ रहे हैं। सारी कानूनी मशीनरी सत्य का बाजार चला रही है। वह प्रमाण और साक्ष्य के माध्यम से मुकदमा चलने के दौरान मुल्तबी सत्य को अपने बल पर सत्य के खाँचे में फिट कर देती है। वकील और गवाह मिल कर सत्य रचते और तय करते हैं और वह जज के सत्यबोध से मेल खा जाए तो वह सुच्चा या निखालिस सच बन जाता है। यह दृष्टि सत्य की अस्थिरता या सापेक्षिकता और अन्ततः बहुलता की तरफ ले जाती है जिसके अच्छे-बुरे दोनों तरह के परिणाम हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता बहुत आगे जा रही है। वह वास्तविक बुद्धिमत्ता के उपयोग के अवसरों और अभ्यासों को जिस तरह बदल रही है उससे हमारी आदतें, व्यवहार शैली और जीने का अंदाज सबकुछ बदलता जा रहा है। इस तरह का व्यापक नवाचार हमारी अपने बारे में समझ को भी बदल रहा है। मनुष्यता के स्वभाव, बच्चों के पालन-पोषण, पढ़ाई-लिखाई आदि मनुष्य के रूप में निर्माण जैसे जरूरी उपायों के स्वरूप को प्रभावित कर रहा है। जीवन में एआई प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हर तरफ उपस्थित है। पिछले कुछ दिनों में डीप फेक और साइबर अरेस्ट जैसी घटनाओं ने एआई के उपयोग के अतिरेक से पैदा हो रही तमाम मुश्किलों की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिनका संबंध जीवन की गुणवत्ता से है। एआई की पहुंच का विस्तार या रेंज बढ़ता ही जा रहा है। निजी जीवन में उसकी दखल दुरभिसंधि, भयादोहन, अंतरराष्ट्रीय संघर्ष, आर्थिक घोटाले और व्यापार जगत सबको संत्रस्त करने वाला साबित हो रहा है। एआई के उपयोग से काम में सुभीता, शीघ्रता और मात्रा को ध्यान में रखते हुए आज विभिन्न देशों में अपनी एआई की क्षमता बढ़ाने के लिए होड़ मची हुई है। भारत भी इसमें शामिल हो रहा है। औद्योगिक क्रांति जैसी क्रांति का लाभ न पाकर हम अब यह सोच रहे हैं कि एआई क्रांति से बड़ी लम्बी छलांग लगा लेंगे-यह आकर्षक पर खतरनाक हो सकता है। कुछ दिन पहले भारतीय मूल के नोबल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक वेंकी रामकृष्णन ने जयपुर में बोलते हुए स्पष्ट रूप से एआई की संभावनाओं के साथ इससे जुड़े बड़े खतरों की ओर ध्यान खींचा, शायद उससे निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता काफी न होगी। उसके किए समानुभूति, इतिहास और संस्कृति की समझ की भी दरकार होगी। बिना उस व्यापक संदर्भ के हमारे समाधान छिछले, संकुचित और नुकसानदेह हो सकते हैं। सबकुछ तकनीक विशारदों पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई के नैतिक और सामाजिक आयाम भी हैं। शिक्षा में वे मानविकी और विज्ञान परौद्योगिकी दोनों को महत्व देने की वकालत कर रहे थे। तकनीकी और मानविकी के बीच की खाई पाटी जानी चाहिए। एआई का नियंत्रित उपयोग वहां हितकारी हो सकता है वहां कार्य क्षमता, उत्पादकता आदि जरूरी हों। हमें पूरा सच देखना होगा। प्राचीन ऋषियों ने ऐसे ही नहीं कहा था कि स्वर्ण के ढक्कन से सत्य का मुख ढंका हुआ है-हिरण्मयेन पात्रेण सत्यस्यासपिहितम्‌ मुखम। अतीत से विच्छिन्न, मूलहीन सभ्यता की नई इबारत लिखने वाली सोच अधूरी है। उसके हिसाब से हम सब एक डाटा प्वाइंट होते जा रहे हैं।

कंबोडिया में 'लानचांग-मेकांग खाद्य सुरक्षा अनुसंधान परियोजना' का शुभारंभ

एजेंसी

फ्नोम पेन्ह। कंबोडिया में लानचांग-मेकांग उन्नत खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई। यह एक वर्षीय अनुसंधान परियोजना ग्रेटर मेकांग सबरीजन (जीएमएस) के देशों में खाद्य सुरक्षा नीतियों को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। कंबोडिया की नेशनल असेंबली की विदेश मामलों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सूचना संबंधी आयोग के अध्यक्ष सूओंस यारा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा, यह परियोजना सही समय पर शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है, जो मेकांग क्षेत्र की समृद्ध प्राकृतिक संपदाओं, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा के साथ 33 करोड़ से अधिक लोगों की भलाई से जुड़ी है। सूओंस यारा ने कहा कि अब खाद्य सुरक्षा एक पृथक विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह जल सुरक्षा, पर्यावरणीय स्थिरता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक लचीलापन जैसे विविध पहलुओं से जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कंबोडिया, लाओस और वियतनाम के नदी आधारित ग्रामीण समुदाय खाद्य नुकसान, फसलोत्तर अक्षमताओं और जलवायु परिवर्तन की मार जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। एशियन विजन इंस्टिट्यूट के अध्यक्ष छेंग किमलोंग ने कहा कि यह परियोजना दो प्रमुख घटकों पर केंद्रित है। पहला है खाद्य नुकसान प्रबंधन और दूसरा खाद्य-आधारित सामुदायिक ईकोटूरिज्म है।

एवरग्लेड्स में ट्रंप के दौरे से पहले नया डिटेंशन सेंटर तैयार, विरोध और विवाद के बीच देसैंटिस ने दी जानकारी

फ्लोरिडा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को फ्लोरिडा के एवरग्लेड्स क्षेत्र में बनाए जा रहे नए आव्रजन डिटेंशन सेंटर का दौरा करने वाले हैं। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन देसैंटिस ने सोमवार को इसकी पुष्टि की और कहा, जब राष्ट्रपति कल यहां आएंगे, तो वे खुद देख सकेंगे कि यह अब पूरी तरह तैयार है। मुझे लगता है कि कल तक यह पूरी तरह से ऑपरेशनल हो जाएगा। यह नया डिटेंशन सेंटर एक पुराने हवाई पट्टी क्षेत्र में बनाया जा रहा है, जो मियामी से लगभग 80 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। इसे एलीगेटर अल्काट्राज के नाम से जाना जा रहा है, जो इसकी दुर्गमता और खतरनाक पर्यावरण को दर्शाता है। यह केंद्र लगभग 5,000 प्रवासियों को रखने की क्षमता रखता है। गवर्नर देसैंटिस ने बताया कि इस परियोजना को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग से आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है और उन्होंने सप्ताह में इस विषय पर ट्रंप से बातचीत भी की थी। हालांकि इस डिटेंशन सेंटर को लेकर विवाद भी कम नहीं हैं। पर्यावरणविद् इस निर्माण को एवरग्लेड्स की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए खतरनाक मानते हैं। इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में सांप, मच्छर और मगरमच्छ पाए जाते हैं, जिससे मानव जीवन के लिए भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

गाजा में खाद्य सहायता केंद्रों से लौट रहे नागरिकों पर हमला, 22 फिलीस्तीनियों की मौत

गाजा सिटी। दक्षिणी गाजा में खाद्य सहायता लेने जा रहे लोगों पर हुए इजराइली हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 से अधिक घायल हो गए। यह जानकारी गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय अस्पतालों की रिपोर्ट के आधार पर दी है। युद्ध पीड़ितों की सेवा में लगे खान यूनिस के नासर अस्पताल ने पुष्टि की कि उसके पास 11 ऐसे लोगों के शव लाए गए जिन्हें उस समय गोली मारी गई जब वे गाजा ह्यूमैनिटेरियन फंड (जीएचएफ) की सहायता साइट से लौट रहे थे। यह साइट इजराइल और अमेरिका समर्थित सहायता कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसकी आलोचना पिछले एक महीने में 500 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत के कारण बढ़ गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उत्तरी गाजा में एक संयुक्त राष्ट्र के गोदाम पर हुए हमले में 10 अन्य लोगों की मौत हो गई। पिछले एक माह में जीएचएफ के जरिए सहायता वितरण की प्रक्रिया बार-बार हिंसक घटनाओं में बदलती रही है, जिसमें सैकड़ों आम नागरिक मारे गए हैं। अस्थिर सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण की कमी और सैन्य कार्रवाई की आड़ में मानवीय सहायता को बाधित किया जा रहा है।

सर्बिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन, रूस ने जताई 'कलर रिवॉल्यूशन' की आशंका

मास्को/बेलग्रेड। रूस ने संकेत दिया कि सर्बिया में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शन एक संभावित 'कलर रिवॉल्यूशन' (रंग क्रांति) की कोशिश हो सकती है। क्रेमलिन ने कहा कि इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन उम्मीद है कि सर्बियाई नेतृत्व हालात पर काबू कर लेगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, हम हालात पर नजर बनाए हुए हैं और पड़ोसी देश की मदद को हरसंभव तैयार है। हालांकि भरोसा है कि सर्बियाई नेतृत्व स्थिति को स्थिर कर लेगा। दरअसल, सर्बिया रूस का करीबी सहयोगी है, और वहां बीते शनिवार को राजधानी बेलग्रेड में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़प हुई थी। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुचिच का इस्तीफा हो और तात्कालिक आम चुनाव कराया जाए। वुचिच 12 साल से सत्ता में हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, लगभग 1.4 लाख लोग राजधानी बेलग्रेड की सड़कों पर उतर आए थे।

पाक की परमाणु धमकी से हम डरने वाले नहीं, इजरायल-ईरान की मदद के लिए भारत तैयार : जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत को एक सभ्यतागत राष्ट्र, बहुलतावादी लोकतंत्र, प्रतिभा का स्रोत, कूटनीतिक सेतु और वैश्विक दक्षिण की आवाज बताया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत जल्द ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के साथ व्यापार समझौता करने में सफल होगा। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने 'न्यूजवीक' के सीईओ डेव प्रगाड़ के साथ एक खास बातचीत में भारत की भूमिका और स्थिति पर अपने विचार साझा किए।

अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर जयशंकर ने कहा, 'हम एक बहुत ही जटिल व्यापार वार्ता के बीच में हैं, उम्मीद है कि बीच से भी अधिक बीच में। मेरी उम्मीद होगी कि हम इसे एक सफल निष्कर्ष पर ले जाएं। मैं गारंटी नहीं दे सकता, क्योंकि उस चर्चा में एक और पक्ष है। मुझे विश्वास है कि यह संभव है और मुझे लगता है कि हमें अगले कुछ

दिनों तक इस क्षेत्र पर नजर रखनी होगी।'उन्होंने कहा कि ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध रहे हैं। जयशंकर ने एशिया और प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रतिकार के रूप में काम करने वाले देशों के क्वाड के भीतर देशों के बीच संबंधों के महत्व को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आपके पास चार देश हैं, एक तरह से इंडो-पैसिफिक के चार कोने, जिन्होंने वास्तव में यह तय किया है कि एक स्थिर या अधिक समृद्ध इंडो-पैसिफिक बनाने में उनकी साझा रुचि है और वे व्यावहारिक आधार पर काम करने के इच्छुक हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत पड़ोसी चीन के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है। जयशंकर ने कहा कि हमारा अमेरिका के साथ बहुत अच्छा तालमेल है। साथ ही, हम चीन के सबसे बड़े पड़ोसी हैं।साक्षात्कार में पाकिस्तान से बातचीत के प्रस्ताव को लेकर भी सवाल किया गया। जिसे विदेश मंत्री ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, ÷ हम अब ऐसी नीति अपना रहे हैं जिसमें आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा। हम यह नहीं मानते कि आतंकी केवल प्रॉक्सी हैं और राज्य का कोई दोष नहीं है। पाकिस्तान इस मामले में पूरी तरह शामिल है। भारत आतंकियों पर हमला करेगा और अपने लोगों की रक्षा करेगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शांति वार्ता की बात कही, लेकिन जयशंकर ने स्पष्ट किया कि आतंकवाद के बीच अन्य मुद्दों पर बातचीत संभव नहीं है।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद को पड़ोसी पर दबाव बनाने का हथियार नहीं बनाया जा सकता।

पाकिस्तान में आतंकवादियों ने चेक पोस्ट पर किया हमला, लेवी जवान तमाशा देखते रहे, पांच बर्खास्त

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा के निकट उत्तर पश्चिमी बलूचिस्तान के नोशकी जिले में एक चेक पोस्ट पर हुए आतंकवादी हमले के दौरान लेवी जवान तमाशबीन बने रहे। इनमें से पांच को अपने कर्तव्यों का पालन न करने के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, यह हमला पिछले सप्ताह हुआ था। आतंकवादियों ने किशिंगी चेक पोस्ट पर कब्जा करने के लिए स्वचालित हथियारों का इस्तेमाल किया। पोस्ट पर कब्जा करने के बाद उन्होंने जवानों के हथियार और उपकरण छीन लिए। मौके से भागने से पहले लेवी के वाहनों में आग लगा दी। अधिकारियों ने कहा है कि चेक पोस्ट पर तैनात लेवी जवान आतंकवादियों के हमले के दौरान प्रतिरोध करने में विफल रहे। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में लेवी कर्मचारियों को दूरदराज और

सीमावर्ती क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने और सीमा शुल्क संग्रह करने के लिए तैनात किया जाता है। यह जवान पुलिस की पहुंच से दूर सीमावर्ती जिलों और आदिवासी क्षेत्रों में पदस्थ किए जाते हैं। लेवी जवान खतरनाक और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं।

ट्रंप ने सीरिया से हटाए प्रतिबंध, कार्यकारी आदेश पर किया हस्ताक्षर

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया पर लगे प्रतिबंधों को खत्म करने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। व्हाइट हाउस की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई है। व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा कि ट्रंप ने 'देश की स्थिरता और शांति के मार्ग का समर्थन करने के लिए सीरिया प्रतिबंध कार्यक्रम खत्म करने वाले एक ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। व्हाइट हाउस ने कहा, यह आदेश सीरिया पर प्रतिबंधों को हटाता है, जबकि बशर अल-असद पर प्रतिबंधों को बनाए रखता है। यह आदेश कुछ वस्तुओं पर एक्सपोर्ट कंट्रोल में रियायत देने और सीरिया को दी जाने वाली कुछ विदेशी सहायता पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की अनुमति देता है। इस आदेश के तहत, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो को संयुक्त राष्ट्र में सीरिया में स्थिरता का समर्थन करने

के लिए 'प्रतिबंधों में राहत के रास्ते तलाशने' का निर्देश दिया गया है। ' समाचार एजेंसी' के अनुसार सीरिया को दिसंबर 1979 से अमेरिका ने 'आतंकवाद को प्रायोजित करने वाला स्टेट' घोषित किया था। मई 2004 में कार्यकारी आदेश 13338 जारी कर अतिरिक्त प्रतिबंध और पाबंदियां लगाई गई, जबकि मई 2011 में अमेरिकी सरकार ने सीरियाई अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों को निशाना बनाते हुए और कड़े प्रतिबंध लगाए। 13 मई को सऊदी अरब के रियाद में एक इन्वेस्टमेंट फोरम पर टिप्पणी करते हुए ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह सीरिया पर प्रतिबंध हटाने की योजना बना रहे हैं।

अपने भी हुए ट्रंप के घरेलू नीति विधेयक के खिलाफ

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट में घरेलू नीति विधेयक (बिग ब्यूटीफुल बिल) पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। उनकी रिपब्लिकन पार्टी के कई सीनेटर इस बिल के खिलाफ उठ खड़े हुए हैं। इस बीच व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति के इस विधेयक को पारित करने के लिए सीनेटरों पर दबाव डाला है। ट्रंप ने फेडरल रिजर्व पर एक हस्तलिखित नोट जारी किया है। इसमें फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल पर देश का बहुत सारा पैसा खर्च करने का आरोप लगाया गया है। ट्रंप ने मांग की कि वे ब्याज दरों में बहुत अधिक कटौती करें।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, उत्तरी कैरोलिना के रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस ने राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षरित घरेलू नीति विधेयक का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। इसे पार्टी के लिए खतरे की घंटी के रूप में लेना चाहिए। वह 2011 से रिपब्लिकन पार्टी में सक्रिय हैं। पार्टी के अंदर उनका बहुत अधिक सम्मान है। उन्होंने इसी वर्ष उत्तरी कैरोलिना में स्टेट हाउस का स्पीकर बनने के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखा। सीनेट में टिलिस ने कहा, रिपब्लिकन स्वास्थ्य सेवा के मामले में गलती करने वाले हैं और वादा तोड़ रहे हैं।

उन्होंने व्हाइट हाउस में शौकिया लोगों को ट्रंप को एक ऐसे बिल का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने का दोषी ठहराया, जिससे अकेले उत्तरी कैरोलिना में लगभग 663,000 लोग मेडिकेड से बाहर हो जाएंगे। टिलिस ने कहा कि राष्ट्रपति मतदाताओं की स्वास्थ्य सेवा के साथ खिलवाड़ न करें। टिलिस ने फैसला किया कि उनके पास केवल एक ही विकल्प है। वह है वाशिंगटन से स्व-निर्वासन (सेवानिवृत्ति)। इससे पहले ट्रंप के मुखर आलोचक, नेब्रास्का के प्रतिनिधि रिपब्लिकन डॉन बेकन ने भी कहा कि मतदान करने से अच्छा है कि आधिकारिक तौर पर सेवानिवृत्त हो जाएं। बेकन ओमाहा क्षेत्र की पांचवीं बार जीते हैं। उन्होंने इससे पहले कहा था, मैं अपनी पार्टी की आत्मा के लिए लड़ना चाहता हूं। मैं ऐसा व्यक्ति नहीं बनना चाहता जो बांसुरी बजाने वाले का पीछा करते हुए चट्टान से गिर जाए। मुझे लगता है कि अभी यही हो रहा है। सदन में उदारवादी रिपब्लिकन अलास्का की सीनेटर लिसा मुर्कोव्स्की इस बिल से काफी उलझन में हैं। वह सेवानिवृत्ति का इरादा तो नहीं रखतीं पर उनके पार्टी बदलने की अटकलें तेज हैं। ऐसे रिपब्लिकन जो विद्रोह कर सकते हैं, उनमें प्रमुख हैं-फ्लोरिडा के रिक स्कॉट, विस्कॉन्सिन के रॉन जॉनसन, यूटा के माइक ली और व्योमिंग की सिंथिया लुमिस। मेन की सुसान कोलिन्स ने संशोधन तक पेश करने की योजना बनाई है।

पाकिस्तान ने NSC में संभाला अध्यक्ष पद, भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर किया बेनकाब

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता संभालने के बाद मंगलवार को भारत ने 'इस्लामाबाद' की सीमा पार आतंकवाद में संलिप्तता को उजागर किया। भारत ने हाल के पहलगाम नरसंहार पर ध्यान दिलाया, जो पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों द्वारा किया गया था।

यह कदम वैश्विक स्तर पर बढ़ती अस्थिरता की चिंता के बीच उठाया गया है, जब भारत ने हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। पाकिस्तान के अध्यक्ष बनने से एक दिन पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र भवन के प्रवेश द्वार पर 'द ह्यूमन कॉस्ट ऑफ टेररिज्म' नामक प्रदर्शनी आयोजित कर पाकिस्तान की आतंकवाद में भूमिका को उजागर किया, जिसमें न केवल भारत बल्कि 9/11 जैसे वैश्विक हमलों में भी उसकी संलिप्तता दिखाई गई। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि यह

प्रदर्शनी आतंकवाद के पीछे के दोषियों को बेनकाब करने और वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होने की मांग के लिए है। सुरक्षा परिषद में पाकिस्तान अपने 'सदाबहार मित्र' चीन के साथ मिलकर काम करता है। अध्यक्ष के रूप में पाकिस्तान को प्रक्रिया के नियमों और कूटनीतिक परंपराओं का पालन करना होगा, जिसमें सदस्यों को बोलने की अनुमति देना और प्रस्ताव पेश करना शामिल है। महीने का एजेंडा परिषद की बैठक के पहले दिन सर्वसम्मति से अपनाया जाता है। 2023 में रूस ने अमेरिका और अल्बानिया की अध्यक्षता के दौरान इसे अवरुद्ध किया था, जिसके कारण परिषद को अस्थायी एजेंडा के साथ काम करना पड़ा। अध्यक्ष के रूप में इस्लामाबाद उच्च-स्तरीय हस्ताक्षर कार्यक्रम और अपनी पसंद के विषयों पर खुली बहस के रूप में जाना जाता है। पाकिस्तान उच्च-स्तरीय बैठकें और खुली बहस आयोजित कर सकता है। इसका स्थायी प्रतिनिधि असीम इफ्तिखार अहमद अधिकांश बैठकों की अध्यक्षता करेगा, लेकिन उप-प्रधानमंत्री मोहम्मद इशाक डार जैसे नेता भी शामिल हो सकते हैं। इस बीच, पाकिस्तान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नामित कर सकता है, लेकिन ईरान और इजरायल-हमास संघर्ष जैसे मुद्दों पर वह रूस और चीन के साथ है। पिछले महीने ईरान पर आपातकालीन सत्र में पाकिस्तान ने अमेरिका और इजरायल के हमलों की निंदा करने की मांग की थी।चीन और रूस के साथ पाकिस्तान ने अमेरिका और इजरायल द्वारा की गई बमबारी की निंदा करते हुए एक मसौदा प्रस्ताव पेश किया था।

जर्मन विदेश मंत्री ने कहा- पुतिन की शांति वार्ता में रूचि नहीं, चाहते हैं यूक्रेन का समर्पण

एजेंसी

कीव। जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वेडेपुल ने कीव में एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति वार्ता में रुचि नहीं रखते, बल्कि उनका उद्देश्य यूक्रेन को पूर्णतः झुकाना और उसे समर्पण के लिए मजबूर करना है। वेडेपुल ने कहा, पुतिन अपनी चरम मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं, वे किसी वार्ता में नहीं, बल्कि यूक्रेन की हार में विश्वास रखते हैं। जर्मन विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि यूक्रेन की स्वतंत्रता और उसकी संप्रभुता की रक्षा करना हमारी विदेश और सुरक्षा नीति की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी चेताया कि रूस पश्चिमी देशों की एकजुटता को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब बीती रविवार रात रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार इस हमले में 500 से अधिक मिसाइल और ड्रोन दागे गए। हमलों का निशाना देश के कई हिस्सों को बनाया गया, जिनमें पश्चिमी यूक्रेन के क्षेत्र भी शामिल हैं, जो युद्ध के मुख्य मोर्चे से काफी दूर हैं।

इराक के किरकुक इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रॉकेट हमला, भीषण विस्फोट

एजेंसी

बगदाद। इराक का किरकुक शहर भीषण विस्फोट की आवाज से दहल गया। उत्तरी इराक स्थित किरकुक इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सैन्य खंड पर दो रॉकेट गिरे हैं। इनमें एक से दो सुरक्षा कर्मचारियों के घायल होने की बात कही जा रही है। तीसरा रॉकेट शहर में एक घर पर गिरा है। अभी तक किसी समूह ने इस घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है। ईरान की मेहर और तुर्किये की अनादोलु न्यूज एजेंसी ने इराक की समाचार एजेंसी आईएनए के हवाले से किरकुक में हमले की जानकारी दी है। आईएनए के अनुसार, एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि सोमवार देररात किरकुक एयरपोर्ट पर तीन (रॉकेट) प्रक्षेपास्त्र दागे गए। बताया गया है कि इस हमले में एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। स्थानीय समयानुसार रात 11.30

बजे (2030 जीएमटी) दो रॉकेट हवाई अड्डे के सैन्य खंड और एक नागरिक क्षेत्र में गिरा। इससे सैन्य क्षेत्र से सटे एक गेट के पास झाड़ियों में आग लग गई। अग्निशमन विभाग ने आग को तुरंत बुझा दिया। रन-वे या हवाई अड्डे की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। अधिकारियों के बयान में कहा गया कि हवाई अड्डे के सभी घटक पूरी तरह से चालू हैं। किरकुक ऑपरेशन कमांड के सुरक्षा बलों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और हवाई अड्डे के चारों ओर कर्मियों को तैनात किया। बयान के अनुसार, उन्होंने यह भी पुष्टि की कि कोई खतरा नहीं है और इस घटना से निर्धारित उड़ानों में कोई बाधा नहीं आएगी। इससे पहले, एक इराकी सुरक्षा सूत्र ने कहा कि इराक के किरकुक एयरबेस और एक नागरिक घर पर दो रॉकेट गिरे, लेकिन कोई हताहत या भौतिक क्षति नहीं हुई। उल्लेखनीय है कि इस एयरपोर्ट को आधिकारिक तौर पर 16 अक्टूबर 2022 को नागरिकों के लिए खोला गया। 2003 से इसका उपयोग अमेरिकी वायुसेना सैन्य हवाई अड्डे के रूप में कर रही थी। इसे नवंबर 2011 में इराकी सेना को वापस किया गया था। मध्य पूर्व के रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, इराक लंबे समय से ड्रोन और रॉकेट हमलों का युद्धक्षेत्र रहा है।

अंगोला के राष्ट्रपति ने अफ्रीका के बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए वैश्विक वित्तीय सुधारों की उठाई मांग

एजेंसी

लुआंडा/सेविले। अंगोला के राष्ट्रपति और अफ्रीकी संघ (एयू) के अध्यक्ष जोआओ लोरेन्सो ने वैश्विक वित्तीय प्रणाली में तत्काल सुधारों की मांग करते हुए अफ्रीका में बुनियादी ढांचे के लिए मजबूत निवेश समर्थन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कर्ज के भारी बोझ के कारण महाद्वीप का विकास थम गया है। स्पेन के सेविले शहर में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त सम्मेलन (एफएफडी4) में लोरेन्सो ने कहा, संप्रभु कर्ज स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों से भी अधिक संसाधन निगल रहा है। इससे अफ्रीकी देशों की विकास क्षमता और सतत विकास लक्ष्यों व एजेंडा 2063 की प्राप्ति गंभीर रूप से प्रभावित हो रही है। राष्ट्रपति लोरेन्सो ने कहा कि अफ्रीका को विकास के लिए ठोस आधारभूत संरचनाओं की आवश्यकता है, जिनमें भरोसेमंद ऊर्जा आपूर्ति, बेहतर सड़कों और मजबूत टेलीकॉम नेटवर्क शामिल हैं। ये सभी व्यापार, उद्योग, कृषि और रोजगार सृजन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि महाद्वीप की अवसंरचनात्मक आवश्यकताओं के लिए ऐसे वित्तीय मॉडल विकसित किए जाने चाहिए जो अफ्रीका की वास्तविकताओं और परिस्थितियों के अनुरूप हों। लोरेन्सो ने इस बात पर जोर दिया कि वैश्विक वित्तीय निर्णय-प्रक्रियाओं में कमजोर और विकासशील देशों की आवाज को अधिक महत्व दिया जाए। उन्होंने कहा कि जब तक हमारे देश नीति-निर्माण की मेज पर नहीं बैठते, तब तक समाधान अधूरे रहेंगे। उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय एफएफडी4 सम्मेलन सोमवार से गुरुवार तक सेविले में आयोजित किया जा रहा है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय संगठन, वित्तीय संस्थान, निजी क्षेत्र, नागरिक समाज और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य वैश्विक विकास में असमानताओं को दूर करना और सतत विकास को गति देना है।

> **स्पेन के सेविले शहर में आयोजित चौथे अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त सम्मेलन (एफएफडी4) में लोरेन्सो ने कहा, संप्रभु कर्ज स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्रों से भी अधिक संसाधन निगल रहा है।**

आसिम मुनीर ने फिर दी गीदड़भभकी, ऑपरेशन सिंदूर में मार खाने के बाद फिर अलापा कश्मीर राग

एजेंसी

तेल अवीव/बेरूत। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने एक बार गीदड़ भभकी दिखाई है और भारत के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने की बात कही है। पाकिस्तान नेवल एकेडमी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत पर बेबुनियाद आरोप लगाया और कहा कि भारत क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा रहा है। आसिम मुनीर ने फिर से कश्मीर राग अलापा। इससे पहले भी आसिम मुनीर ने भारत के खिलाफ जहर उगला था, जिसके बाद पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आसिम मुनीर ने आरोप लगाया कि भारत ने दो बार बिना उकसावे के सैन्य कार्रवाई की।

मुनीर ने कहा कि भारत की ये कार्रवाई उसकी रणनीतिक दूरदर्शिता की कमी को दर्शाती हैं। मुनीर ने कहा कि अगर भारत ने भविष्य में भी ऐसी कोई कार्रवाई की तो पाकिस्तान निर्णायक जवाब देगा। हास्यपद तरीके से मुनीर ने भारत पर क्षेत्रीय शांति को अस्थिर करने का आरोप लगाया और कहा कि भारत, पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ उठाए गए कदमों को कमतर आंकता है। मुनीर ने शेखी बघारते हुए कहा कि उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने काफी संयम बरता।

चीन ने जापानी सी-फूड आयात पर आंशिक रूप से हटाया प्रतिबंध

एजेंसी

नई दिल्ली। जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र से उपचारित अपशिष्ट जल को प्रशांत महासागर में छोड़े जाने के बाद लगाए गए प्रतिबंध को चीन ने अब आंशिक रूप से हटा लिया है। चीन के सीमा शुल्क प्रशासन ने रविवार को एक बयान में कहा कि फुकुशिमा क्षेत्र के समुद्री खाद्य उत्पादों की दीर्घकालिक निगरानी के दौरान नमूने ठीक पाए गए। इसके बाद चीन ने जापान से समुद्री खाद्य आयात को कुछ शर्तों के साथ फिर से शुरू करने का फैसला किया है। हालांकि यह अनुमति जापान के 47 प्रांतों में से केवल 37 पर लागू होगी, जबकि फुकुशिमा और टोक्यो समेत 10 प्रांतों से आयात पर प्रतिबंध अभी भी जारी रहेगा। चीन के इस फैसले को जापान ने सकारत्मक बताया। टोक्यो में पत्रकारों से बातचीत में उप मुख्य कैबिनेट सचिव काजुहिको आओकी ने कहा कि

जापानी सरकार अब चीन से शेष 10 प्रांतों पर लगे आयात प्रतिबंधों को भी हटाने की मांग करेगी। जापान के कृषि मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने इस फैसले को मील का पत्थर बताया और कहा कि इससे जापानी सी-फूड उद्योग को राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2011 में फुकुशिमा परमाणु संयंत्र भूकंप और सुनामी की चपेट में आ गया था, जिससे तीन रिएक्टर गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए थे और क्षेत्र में रेडिएशन फैलने की आशंका जताई गई थी। इसके बाद संयंत्र को वर्षों तक बंद रखा गया। जापान ने 2023 में उपचारित अपशिष्ट जल को विशेष तकनीकों से फिल्टर करने के बाद चरणबद्ध तरीके से समुद्र में छोड़ना शुरू किया, जिससे चीन और रूस समेत कई देशों ने इसका विरोध करते हुए जापानी समुद्री खाद्य पदार्थों के आयात पर रोक लगा दी थी। चीन ने इस कदम को पर्यावरण के लिए गैर-जिम्मेदाराना बताया था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने जापान की इस प्रक्रिया का समर्थन किया और संयंत्र संचालक टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी का कहना है कि ट्रिटियम को छोड़कर सभी रेडियोधर्मी तत्वों को सुरक्षित स्तर तक फ़िल्टर किया गया है। अब चीन द्वारा आयात बहाल करने के फैसले को जापान एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देख रहा है।

एवर्टन के स्ट्राइकर कैल्वर्ट-लेविन नौ साल बाद क्लब से होंगे विदा

एजेंसी

लंदन। एवर्टन फुटबॉल क्लब के स्टार स्ट्राइकर डोमिनिक कैल्वर्ट-लेविन ने रविवार को घोषणा की कि वह जून के अंत में अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद क्लब को छोड़ देंगे। वह अब फ्री एजेंट के रूप में उपलब्ध होंगे। 28 वर्षीय कैल्वर्ट-लेविन ने नौ सीजन तक क्लब का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें उन्होंने कुल 274 मैचों में 71 गोल किए। उन्होंने यह फैसला सोशल मीडिया पर एक ओपन लेटर के जरिए साझा किया। उन्होंने लिखा,एवर्टन फुटबॉल क्लब और एवर्टोनियंस को – पिछले नौ शानदार वर्षों के बाद मैंने अपने परिवार के साथ मिलकर करियर में एक नया अध्याय शुरू करने का कठिन निर्णय लिया है। उन्होंने आगे लिखा, यह निर्णय लेना मेरे लिए आसान नहीं था। 19 साल की उम्र में जब मैंने इस क्लब में कदम रखा था, तभी से यह मेरा घर बन गया। इस क्लब ने मुझे निखारा, चुनौती दी और एक खिलाड़ी के साथ-साथ एक इंसान के रूप में भी तराशा। उन्होंने लिखा, यह फैसला केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे परिवार के साथ मिलकर लंबे विचार-विमर्श के बाद लिया गया है। हमें लगता है कि अब एक नई चुनौती को अपनाने और खुद को आगे बढ़ाने का सही समय है। हालांकि इससे एवर्टन से मेरा जुड़ाव कभी कम नहीं होगा। कैल्वर्ट-लेविन ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सीजन 2019-20 और 2020-21 में बिताए थे।

लैंडो नॉरिस ने जीता ऑस्ट्रियाई ग्रांप्री

बीजिंग। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस ने रविवार को आयोजित फॉर्मूला-1 ऑस्ट्रियन ग्रांप्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। टीममेट ऑस्कर पियास्त्री दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रेड बुल के मैक्स वेरस्टैपेन रेस की पहली ही लैप में मर्सिडीज के किमी एंटोनेली से टकराकर बाहर हो गए। रेड बुल रिंग सर्किट पर तेज गर्मी के बीच नॉरिस ने पोल पोजीशन से शुरुआत की और उन्हें जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पियास्त्री ने तीसरे स्थान से शुरुआत की और पहले ही कोने पर चार्ल्स लेक्लेर को पीछे छोड़ दिया। इसके बाद उन्होंने पूरे रेस के दौरान नॉरिस पर दबाव बनाए रखारेस का अहम मोड़ 11वीं लैप में आया जब पियास्त्री ने डीआरएस का फायदा उठाकर टर्न 3 पर अस्थायी रूप से बढ़त बना ली, लेकिन नॉरिस ने उसी लैप में स्थिति संभाल ली और दोबारा लीड हासिल की। बाद के चरणों में, नॉरिस ने मामूली फ्रंट विंग डैमेज और बैकमार्कर्स के बीच अंतर को बनाए रखते हुए बढ़त कायम रखी। टीम रेडियो पर यह स्पष्ट किया गया कि दोनों मैकलारेन ड्राइवरों को आपस में रेस करने की आज़ादी है, लेकिन शर्त थी कि दोनों कारें सुरक्षित फिनिश करें। आखिरी लाइन तक नॉरिस ने पियास्त्री पर 2.7 सेकंड की बढ़त के साथ रेस जीत ली। यह इस सीजन में उनकी तीसरी जीत रही और इसके साथ ही उन्होंने पियास्त्री के चैंपियनशिप में अंकों की बढ़त को घटाकर सिर्फ 15 अंक कर दिया।

आयुष शेट्टी ने जीता पहला खिताब, तन्वी शर्मा उपविजेता रहीं

काउंसिल ब्लफ्स (आयोवा)। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने रविवार को यूएस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीत लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने कनाडा के ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-18, 21-13 से हराया।20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर हैं, इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके साथ ही उन्होंने विदेश में भारत को पुरुष एकल खिताब दिलाने का 2 साल का इंतजार भी खत्म किया। पिछली बार 2023 में लक्ष्य सेन ने कनाडा ओपन जीता था। आयुष का यूएस ओपन में सफर शानदार रहा। उन्होंने पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस योहानसेन को 21-17, 21-19 से हराया। दूसरे राउंड में उन्होंने अपने हमवतन थरुण मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन लिन को 22-20, 21-9 से मात दी।सेमीफाइनल में आयुष ने सबसे बड़ी चुनौती का सामना किया जब उनका मुकाबला वर्ल्ड नंबर 6 और टॉप सीड चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन से हुआ। पिछली हार का बदला लेते हुए आयुष ने जोरदार वापसी करते हुए 21-23, 21-15, 21-14 से मुकाबला अपने नाम किया।

जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग: हैदराबाद हीरोज ने पहला सीजन तीसरे स्थान के साथ किया समाप्त

हैदराबाद। हैदराबाद हीरोज ने जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग के पहले सीजन में शानदार वापसी करते हुए बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को 17-12 से हराकर तीसरा स्थान अपने नाम कर लिया। मैच की शुरुआत में ब्रेवहार्ट्स ने तेज बढ़त बनाई, जब टोने शिउ और फिलिप वाकोराच ने ट्राई स्कोर की और अकुइला रोकोलिसोआ ने एक सफल किक लगाई। पहले हाफ में ही हैदराबाद ने वापसी की शुरुआत जो जी नासोवा की ट्राई और मैनुएल मोरेनो की सफल कन्वर्ज़न से की। दूसरे हाफ में हीरोज की आक्रामकता रंग लाई जब केविन वेकेसा और भूपिंदर सिंह ने निर्णायक ट्राई स्कोर कर टीम को बढ़त दिला दी। यह मुकाबला दोनों टीमों के बीच एक कड़े संघर्ष का गवाह बना, लेकिन हैदराबाद की रणनीतिक कुशलता और आत्मविश्वास ने अंततः उन्हें जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही हीरोज ने इस नई लीग में अपने पहले सीजन को गौरवपूर्ण तरीके से समाप्त किया।

उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट से किया करार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की युवा बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने अब आधिकारिक रूप से आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के साथ विशेष अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लिए हैं। पंजाब के होशियारपुर से ताल्लुक रखने वाली 16 वर्षीय तन्वी देश की सबसे होनहार शटलरों में शुमार हैं और पहले ही कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर खुद को साबित कर चुकी हैं। हाल ही में उन्होंने सुपर 300 यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर एक और बड़ा मुकाम हासिल किया।

तन्वी गर्ल्स/वीमेंस सिंगल्स इवेंट में खेलती हैं और कम उम्र में ही एशियाई स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनके प्रमुख उपलब्धियों में 2023 एशिया यूथ बैडमिंटन

चैंपियनशिप में रजत पदक, 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और 2023 सीनियर नेशनल चैंपियनशिप में रजत पदक शामिल हैं– जो इस उम्र में सीनियर खिलाड़ियों के बीच में जीतकर हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

आईओएस स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट के सीओओ राहुल त्रेहान ने कहा, हम तन्वी शर्मा का आईओएस परिवार में स्वागत कर बेहद उत्साहित हैं। कम उम्र में उनके बेहतरीन प्रदर्शन, लगन और मेहनत ने हमें काफी प्रभावित किया है। हमें पूरा विश्वास है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करेंगी और हम उनके सफर में हर कदम पर साथ रहेंगे। यह साझेदारी तन्वी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने खेल को और निखारने तथा नए मुकाम हासिल करने में मदद करेगी। आईओएस का उद्देश्य उनके खेल और करियर को सही दिशा देने के साथ-साथ उन्हें वैश्विक मंच के लिए तैयार करना है।

फीफा क्लब विश्व कप: बायर्न म्यूनिख ने फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया, अंतिम आठ में बनाई जगह

एजेंसी

मियामी। हैरी केन के दो शानदार गोलों की बदौलत बायर्न म्यूनिख ने फीफा क्लब वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रविवार को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बायर्न ने ब्राजील के फ्लेमेंगो को 4-2 से हराया। जर्मन क्लब के लिए लियोन गोरेट्ज़का ने भी एक गोल किया, जबकि एरिक पुलगार का आत्मघाती गोल टीम के लिए बोनस साबित हुआ। फ्लेमेंगो के लिए गेरसन और जोर्जिन्हो ने गोल किए, लेकिन उनकी कोशिशें टीम को हार से नहीं बचा सकीं। इस जीत के साथ बायर्न अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए शनिवार को अटलांटा में पेरिस सेंट-जर्मेन (PSG) से भिड़ेगा। PSG ने दिन के पहले मुकाबले में इंटर मियामी को 4-0 से हराया था। मैच की शुरुआत में ही बायर्न ने जोरदार आक्रमण किया और छठे मिनट में जोशुआ किमिच के कॉर्नर पर क्लियर करने की कोशिश में एरिक पुलगार ने आत्मघाती गोल कर दिया। इसके कुछ ही मिनट बाद फ्लेमेंगो की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए केन ने लंबी दूरी से पोस्ट से टकराता हुआ शानदार गोल दागा। हालांकि, फ्लेमेंगो ने हार नहीं मानी और कई मौकों पर बायर्न के डिफेंस को चुनौती दी।

आखिरकार 31वें मिनट में गेरसन ने 15 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 2-1 कर दिया। लेकिन बायर्न ने तुरंत जवाब दिया। गोरेट्ज़का ने विरोधी टीम की एक क्लियरेंस को छाती से रोककर 25 गज की दूरी से शानदार गोल कर बायर्न की बढ़त 3-1 कर दी।

काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन : तिलक वर्मा से उम्मीदें कायम, चहल रहे विकेट विहीन

एजेंसी

साउथैम्प्टन। काउंटी चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन जारी है। हैम्पशायर की ओर से खेल रहे युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा एक बार फिर संकटमोचक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वूस्टरशर के खिलाफ खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन तिलक वर्मा 10 रन (32 गेंदों में) बनाकर नाबाद लौटे। हैम्पशायर की टीम एक समय 54 रन पर तीन विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी, तब तिलक क्रीज़ पर आए और कप्तान बेन ब्राउन (7 रन) के साथ पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने 68 रन बनाए थे। गौरतलब है कि तिलक ने अपने काउंटी डेब्यू मैच में शतक जड़ा था और हैम्पशायर को एक बार फिर उनके धैर्यपूर्ण बल्लेबाज़ी की दरकार है, क्योंकि वूस्टरशायर ने पहली पारी में 679 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया है। दूसरी ओर, ईशान किशन ने नॉटिंघमशायर के लिए अपने डेब्यू में शानदार प्रदर्शन किया था और अब वह समरसेट के खिलाफ मुकाबले में बल्लेबाज़ी के लिए उतरने का इंतजार कर रहे हैं। गेंदबाज़ी की बात करें तो युजवेंद्र चहल को नॉर्थैम्पटनशायर की ओर

से खेलते हुए केंट के खिलाफ निराशा हाथ लगी। चहल ने 42 ओवर में 129 रन दिए लेकिन एक भी विकेट नहीं ले सके। केंट ने पहली पारी में 566 रन बनाए, जबकि नॉर्थैम्पटनशायर ने जवाब में 140 रन पर एक विकेट गंवाया है। इस बीच, खलील अहमद की एसेक्स के लिए शुरुआत फीकी रही। उन्होंने यॉर्कशर के खिलाफ दूसरी पारी में 9 ओवर गेंदबाज़ी की और 40 रन खर्च किए, लेकिन कोई विकेट हासिल नहीं कर सके। भारतीय खिलाड़ियों के लिए काउंटी चैंपियनशिप एक महत्वपूर्ण मंच है, जहां उन्हें इंग्लिश परिस्थितियों में खुद को साबित करने का अवसर मिलता है। आने वाले दिनों में सभी की नजरें इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी।

किशोर जेना नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 से बाहर, यशवीर सिंह को मिला मौका

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय भाला फेंक एथलीट किशोर जेना टखने की चोट के चलते नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अब यशवीर सिंह को प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। आयोजकों ने उक्त जानकारी दी। किशोर जेना ने पिछले साल हांगझो एशियन गेम्स में नीरज चोपड़ा के पीछे दूसरा स्थान हासिल किया था, जहां उन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 87.54 मीटर भाला फेंका था। वे शुरूआती पांच भारतीय प्रतिभागियों में शामिल थे, जिनमें सचिन यादव, रोहित यादव और साहिल सिलवाल भी शामिल हैं।

जेना की गैरमौजूदगी में अब यशवीर सिंह को टीम में जगह दी गई है। यशवीर इस समय पुरुषों की भाला फेंक रैंकिंग में 41वें स्थान पर हैं और उन्होंने 2025 एशियन चैंपियनशिप (गुमी, कोरिया) में 82.57 मीटर की थ्रो कर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। नीरज चोपड़ा क्लासिक को भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के रूप में प्रचारित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का आयोजन नीरज चोपड़ा, जेएसडब्ल्यू

स्पोर्ट्स, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स (डब्ल्यूए) के सहयोग से किया जा रहा है। यह भारत में अब तक का सबसे उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स आयोजन होगा। प्रतियोगिता में नीरज चोपड़ा के साथ दुनिया के कई शीर्ष भाला फेंक एथलीट भी हिस्सा लेंगे, जिनमें ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन थॉमस रोहलर और केन्या के रियो 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता जूलियस येगो शामिल हैं। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को होनी थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से इसकी तारीख बदलकर अब 5 जुलाई कर दी गई है। यह मुकाबला बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में आयोजित होगा।

मुंबई से क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे यशस्वी जायसवाल

एजेंसी

मुंबई। भारतीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आगामी 2025-26 घरेलू सत्र में मुंबई की ओर से ही खेलते नजर आएंगे। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने उनके गोवा जाने के लिए जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को वापस लेने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

एमसीए अध्यक्ष अजिक्य नाइक ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, यशस्वी हमेशा से मुंबई क्रिकेट की एक गौरवशाली उपज रहे हैं। हमने उनके एनओसी वापसी के आवेदन को स्वीकार कर लिया है और वह आगामी घरेलू सत्र में मुंबई के लिए उपलब्ध रहेंगे।इस साल अप्रैल में जायसवाल ने गोवा के लिए खेलने के इरादे से एनओसी मांगी थी, जिसे एमसीए ने चौंकाने वाला कदम बताया था। हालांकि, एक महीने बाद उन्होंने पुनः एमसीए को

पत्र लिखकर बताया कि वह अपने परिवार के साथ गोवा स्थानांतरित होने का विचार कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने वह योजना बदल दी है और वे मुंबई के लिए ही खेलना चाहते हैं।23 वर्षीय जायसवाल ने अंडर-19 स्तर से ही मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 2019 में मुंबई के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक 10 प्रथम श्रेणी मैचों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए हैं। इसमें उनके चार शतक, दो अर्द्धशतक और उत्तर प्रदेश के खिलाफ 181 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। हाल ही में समाप्त हुए घरेलू सत्र में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में मुंबई की ओर से भाग लिया था, हालांकि टीम को उस मैच में हार का सामना करना पड़ा। वह विदर्भ के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलने वाले थे, लेकिन अभ्यास के दौरान टखने की चोट के चलते बाहर हो गए। फिलहाल जायसवाल इंग्लैंड में भारतीय टेस्ट टीम के साथ हैं। उन्होंने लीड्स में सीरीज के पहले मैच में शतक जमाया था, हालांकि भारत वह मुकाबला पांच विकेट से हार गया।

खेल को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेगा एसएलआई : श्रियंका साधांगी

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में देश की पहली शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) की घोषणा के बाद शूटिंग खेल को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस नई पहल को लेकर खेल जगत में चर्चाएं जोरों पर हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय शूटर श्रियंका साधांगी ने इस लीग के पहले संस्करण को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं बहुत उत्साहित हूं। हम सभी लंबे समय से चाहते थे कि एक शूटिंग लीग हो और अब देखना दिलचस्प होगा कि यह कैसे आगे बढ़ती है। यह सभी के लिए एक शानदार अवसर है। एसएलआई युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।श्रियंका मानती हैं कि यह लीग खिलाड़ियों को पहचान दिलाने और खेल को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा, यह खेल और हमारे लिए एक बेहतरीन अवसर है। हमारे पास कई अच्छे, अंतरराष्ट्रीय स्तर के शूटर हैं जो इस लीग का हिस्सा बनने जा रहे हैं। भारतीय शूटिंग टीम का स्तर अब बहुत ऊंचा हो चुका है। मैं चाहती हूं कि उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिले। इस खेल में जितनी सटीकता, मेहनत और कौशल लगता है, वह लोगों को जानना चाहिए। उन्होंने कहा, एसएलआई लोगों को यह समझने में मदद करेगा कि खिलाड़ी कैसे तैयारी करते हैं, उनके ट्रेनिंग के तरीके क्या हैं और प्रतियोगिताओं का प्रारूप कैसा होता है। इस लीग से लोगों को खिलाड़ियों को गहराई से जानने का मौका मिलेगा और इससे खेल को नई पहचान मिलेगी।

एजबेस्टन टेस्ट से पहले वोक्स ने कहा- गेंदबाजों के लिए हो सकता है एक और कठिन सप्ताह

एजेंसी

बर्मिंघम। इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने एजबेस्टन में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले माना है कि यह सप्ताह गेंदबाजों के लिए एक और चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वोक्स अब इंग्लैंड की गेंदबाजी इकाई में सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं, और इस भूमिका का वह पूरा आनंद ले रहे हैं। वोक्स ने एक बयान में कहा, मैंने अपने करियर का अधिकांश हिस्सा जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ खेला है, इसलिए अब हालात कुछ अलग हैं। यह मेरे लिए एक शानदार अवसर है। मैं युवा खिलाड़ियों को अनुभव बांट रहा हूं और उनसे भी सीख रहा हूं। हर बार जब आप मैदान पर उतरते हैं तो कुछ नया सीखते हैं और यही यात्रा चलती रहती है। 36 वर्षीय वोक्स ने यह भी कहा कि वह एंडरसन की तरह 41 साल की उम्र तक क्रिकेट नहीं खेलेंगे लेकिन उम्र

को लेकर जितनी बातें होती हैं, वह उन्हें ज्यादा अहमियत नहीं देते।उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं 41 की उम्र में इंग्लैंड के लिए खेल रहा होऊंगा। लेकिन जब तक मैं टीम के लिए योगदान दे रहा हूं और अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं, तब तक खेलता रहूंगा। अगर कभी ऐसा समय आता है जब कोई कंधे पर हाथ रखकर विदाई की बात करे, तो वह भी ठीक है। लेकिन फिलहाल मैं खेल का पूरा लुत्फ उठा रहा हूं, उन्होंने कहा। हेडिंग्ले टेस्ट में भारत की ओर से पांच शतक लगे और कुल मिलाकर दोनों टीमों ने मिलकर 1,673 रन बनाए। वोक्स ने स्वीकार किया कि पिच बल्लेबाजों के अनुकूल थी जिससे गेंदबाजों को काफी मेहनत करनी पड़ी।उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि भारतीय बल्लेबाज कितने मजबूत हैं। हेडिंग्ले में पिच बहुत फ्लैट थी, जिससे गेंदबाजी करना मुश्किल हो गया था, लेकिन हम 20 विकेट लेने में सफल रहे। बल्लेबाजों के हावी होने के बाद भी हमने मैच में वापसी की, जो एक अहम काबिलियत है। एजबेस्टन में भी हालात कुछ ऐसे ही हो सकते हैं, मौसम अच्छा है, तो गेंदबाजों के लिए यह एक और मुश्किल सप्ताह हो सकता है। इंग्लैंड ने हेडिंग्ले में 371 रनों का पीछा कर जीत दर्ज की, जो टेस्ट इतिहास में उनकी दूसरी सबसे बड़ी सफल रन चेज थी। वोक्स ने कहा कि टीम को अपने खेलने के तरीके पर भरोसा है और वे इसे आगे भी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा,आप जब अच्छा खेलकर जीतते हैं तो आत्मविश्वास बढ़ता है। हम जानते हैं कि हमें और बेहतर होना है। पिछले सप्ताह जो चीजें हमने ठीक नहीं कीं, उन्हें इस बार सुधारने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, हम अपनी क्रिकेट शैली को लेकर संतुष्ट हैं, यही ब्रांड पिछले कुछ वर्षों में हमें सफलता दिलाता आया है। हम उसी पर कायम रहेंगे, लेकिन सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है और हम उस पर काम करेंगे।

हमें आधुनिक पीढ़ी में साइकिल चलाना एक ट्रेंड बनाना होगा: मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के पालिताना में स्वच्छता सेनानियों के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के एक विशेष संस्करण का नेतृत्व किया। यह साइकिलिंग अभियान देश भर में एक साथ 6,000 स्थानों पर आयोजित किया गया, जिसमें आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के विभिन्न कर्मचारी और संबंधित कार्यकर्ता, स्वच्छता कर्मचारी, नगर पालिका निगम के कर्मचारी, साथ ही राज्य और जिला नगर निगमों के कर्मचारियों की भागीदारी रही। यह दिसंबर 2024 में देशव्यापी शुरू हुए साइकिलिंग अभियान का 29वां संस्करण था। पालिताना में विभिन्न साइकिलिंग क्लबों ने इसमें भाग लिया। अपने गृहनगर पालिताना में डॉ. मांडविया ने दोहराया कि यह अभियान अब एक आंदोलन बन गया है।

कोच पीआर श्रीजेश ने एफआईएच जूनियर हॉकी विश्व कप में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कोच पीआर श्रीजेश ने आगामी एफआईएचपुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2025 के लिए हाल ही में घोषित पूल पर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा पूल बी चिली, स्विट्जरलैंड और पाकिस्तान के साथ एक अच्छी चुनौती पेश करता है। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक गेम में एक-एक कदम आगे बढ़ाएंगे और क्वार्टर फाइनल में सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल करने के लिए अधिक से अधिक अंक हासिल करेंगे।हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में श्रीजेश ने कहा कि पहली बार एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप को 24 टीमों तक विस्तारित किया गया है और हम तदनुसार अपनी तैयारियों की योजना बना रहे हैं। इस नए प्रारूप में खेलना बहुत रोमांचक होगा। एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के आगामी संस्करण में 24 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जबकि पिछले संस्करणों में

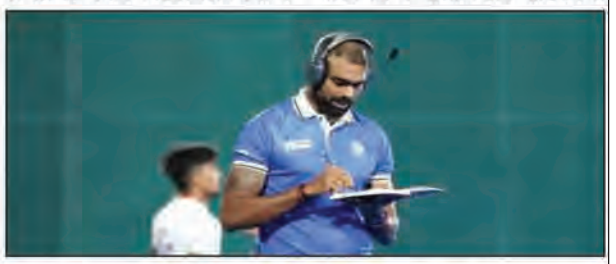

16 टीमें हिस्सा लेती थीं। यह पहली बार होगा जब 24 टीमें विश्व कप खेलेंगी। यह विश्व कप शुरू में 12 टीमों का टूर्नामेंट था, जिसे 2001 के संस्करण से बढ़ाकर 16 टीमें कर दिया गया था। इस साल विश्व कप के लिए नए प्रारूप के तहत टीमों को 6 पूल में विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक पूल में 4 टीमें हैं। एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप 2023 के पिछले संस्करण में भारतीय टीम पोडियम से चूक गई थी और चौथे स्थान पर रही थी। टीम का सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2001 और 2016 में आया था, जब उसने पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप खिताब जीते थे। जर्मनी पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप में सबसे सफल टीम रही है जिसने सात बार खिताब जीता है और वे वर्तमान में गत विजेता भी हैं।

राष्ट्रीय चयन ट्रायल में सुरुचि सिंह और सौरभ चौधरी ने जीता 10 मीटर पिस्टल टी4

एजेंसी

देहरादून। सुरुचि इंदर सिंह ने अपने शानदार सीजन को जारी रखते हुए टी4 10 मीटर पिस्टल महिला वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया, वहीं ओलंपियन सौरभ चौधरी ने पुरुष वर्ग में पहला स्थान प्राप्त किया। यह प्रदर्शन यहां महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज, रायपुर स्थित त्रिशूल शूटिंग रेंज पर आयोजित हो रहे ग्रुप 'ए' खिलाड़ियों के लिए नेशनल सेलेक्शन ट्रायल्स 3 और 4 (राइफल और पिस्टल) के अंतिम दिन देखने को मिला। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने क्वालिफिकेशन राउंड में भी क्रमशः 588 और 587 के उच्च स्कोर के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। सुरुचि ने एक बार फिर फाइनल में शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और 244.3 के स्कोर के साथ जीत हासिल की, जो दूसरे स्थान पर रही अंजलि शेखावत से 3.1 अंक अधिक था। अनुभवी रही सरनोबत ने 221.6 के स्कोर के साथ एक और पोडियम फिनिश दर्ज किया। ओलंपियन मनु भाकर और ईशा सिंह क्रमशः 202.5 और 179.6 के स्कोर के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। सैयम, के.एम. प्रियांका पटेल और डी. पद्मा ने फाइनल लाइनअप को पूरा किया। क्वालिफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 588-20× का शानदार स्कोर बनाते हुए टॉप स्थान हासिल किया, वहीं अंजलि और रही ने क्रमशः 584-25× और 579-23× के स्कोर के साथ शीर्ष तीन में जगह बनाई। प्रियांका पटेल (579-18×), सैयम (579-16×), मनु (577-21×), डी. पद्मा (577-21×) और ईशा (577-18×) ने टॉप आठ में अपनी जगह बनाई। सुरुचि ने अपने डबल विन्स के बाद कहा, मेरे शूटिंग करने के तरीके में कोई बड़ा राज़ नहीं है। मैं घड़ी नहीं देखती या यह नहीं सोचती कि कितनी तेज़ी

से शूट कर रही हूं, मैं बस तब तक शूट करती हूं जब तक काम पूरा न हो जाए। एक रिदम आ जाती है, और सब कुछ स्वाभाविक रूप से चलता है, शायद यही मेरी फोकस बनाए रखने में मदद करता है। अभी मेरा ध्यान हरियाणा स्टेट चैंपियनशिप पर है, इसके बाद नेशनल कैंप में जाना है। एक-एक कदम करके, मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं। पुरुषों के फाइनल में सौरभ ने 245.7 के स्कोर के साथ पहला स्थान प्राप्त किया, जो दूसरे स्थान पर रहे सुभाष सिहाग से 0.4 अंक अधिक था। सुभाष ने 245.3 का स्कोर हासिल किया। आदित्य मलरा ने 223.5 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। टी3 विजेता सम्राट राणा चौथे स्थान पर रहे, जबकि उज्जवल मलिक, अजय कुमार अम्बावत, अमित शर्मा और रंजन तोमर अन्य फाइनलिस्ट रहे। इससे पहले क्वालिफिकेशन राउंड में सौरभ ने 587 के स्कोर के साथ सबसे आगे रहते हुए क्वालिफाई किया। टॉप आठ के लिए मुकाबला बेहद कड़ा रहा, जिसमें उज्जवल (583-22×), रंजन तोमर (583-21×), अमित शर्मा (582-24×), सुभाष सिहाग (582-22×), अजय कुमार (582-19×), आदित्य (582-18×) और सम्राट (582-17×) ने फाइनल लाइनअप पूरा किया।

जाह्नवी कपूर

ने किया वरुण धवन का सपोर्ट, शेफाली जरीवाला की मौत को लेकर मीडिया कवरेज पर बुरी तरह भड़के थे एक्टर

एक्ट्रेस और मॉडल शेफाली जरीवाला के अचानक निधन ने हर किसी को सदमे में डाल दिया है। बीते दिन फैमिली ने एक्ट्रेस की अस्थियां विसर्जित कीं और इस दौरान उनका परिवार बेहद लाचार और बेबस दिखा। शेफाली की मौत के बाद उनकी अंतिम रस्मों के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं, जिस पर बीते दिन एक्टर वरुण धवन ने गुस्सा जाहिर किया था। वहीं, अब वरुण के बाद जाह्नवी कपूर ने भी एक्टर की इस बात का सपोर्ट किया है।

जाह्नवी कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वरुण धवन का पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा, 'फाइनली किसी ने तो इस बारे में कहा।' एक्ट्रेस ने सिर्फ एक ही लाइन में कंफर्म कर दिया है कि वह भी वरुण धवन की बात से सहमत हैं।

बता दें, शेफाली जरीवाला के निधन पर मीडिया ने जिस तरह कवरेज की, उससे वरुण धवन भड़क गए और उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था, 'फिर से एक और आत्मा को मीडिया ने असंवेदनशील तरीके से कवर किया है।

मुझे ये समझ नहीं आता है कि आप लोगों को किसी का दुख कवर ही क्यों करना है? हर कोई इससे काफी अनकंफर्टेबल हो जाता है। इससे किसी को फायदा नहीं हो रहा है न?'

एक्टर ने आगे कहा था, 'मीडिया और मेरे फ्रेंड्स से मैं यही रिक्वेस्ट करता हूं कि इस तरह से कोई भी अपने फ्यूनरल को कवर नहीं करना चाहेगा।'

वरुण के इस पोस्ट को फैंस और सेलेब्स काफी सपोर्ट करते दिखे थे। वहीं, अब जाह्नवी कपूर ने भी इस पर अपना समर्थन दिखाया है।

गौरतलब है कि शेफाली जरीवाला का निधन शुक्रवार की रात, 27 जून को हुआ था बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस की मौत हार्ट अटैक से हुई है। हालांकि, अभी सबको उनकी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

सलमान खान के जीजा ने 7 बार देखी थी ऐश्वर्या की ये फिल्म, ऋतिक रोशन के बन गए थे फैन

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता ऋतिक रोशन ने अपने डांस और एक्टिंग के साथ ही फैंस को अपने लुक्स से भी दीवाना बनाया है. ऋतिक के टैलेंट के दीवाने फैंस के साथ ही बॉलीवुड सेलेब्स भी रहे हैं. सलमान खान के जीजा और बॉलीवुड एक्टर आयुष शर्मा भी उनके फैन बन गए थे. उन्होंने ऋतिक की एक फिल्म को सात बार देखा था, जिसमें ऐश्वर्या राय ने भी लीड रोल प्ले किया था.

ऋतिक रोशन और ऐश्वर्या राय की ये फिल्म है 'धूम 2', जो बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. ऋतिक की इस फिल्म ने हर किसी को दीवाना बना दिया था, जबकि आयुष शर्मा ने भी इसे बार-बार देखा था. एक सीन के लिए आयुष ने ये पिक्चर सात बार देख डाली थी.

आयुष ने 7 बार क्यों देखी थी 'धूम 2'?

आयुष शर्मा ने मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पाति हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर ऋतिक से जुड़ी एक दिलचस्प मेमोरी को शेयर किया था. ऋतिक की तारीफ में आयुष ने कहा था, ऋतिक सर मुझे याद हैं जब मैंने 'धूम 2' देखी थी. सात बार देखी थी सिर्फ एक शॉट के लिए. एक सीन था, जिसमें वो स्लो मोशन में चलते हैं. क्लीन शेव थे और उनके बाल माथे तक आ रहे थे. उस सीन के लिए मैंने सात बार पिक्चर देखी थी.

बॉक्स ऑफ पर हुई थी तगड़ी कमाई

24 नवंबर 2006 को रिलीज हुई 'धूम 2' का डायरेक्शन संजय गढ़वी ने किया था. ऋतिक और ऐश्वर्या के अलावा इसमें अभिषेक बच्चन, उदय चोपड़ा और बिपाशा बासु ने भी काम किया था. 'धूम 2' को बनाने में मेकर्स के 35 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जबकि इससे उन्हें करोड़ों का फायदा हुआ था. भारत में इस पिक्चर ने 81 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड करीब 147 करोड़ का कारोबार किया था. इस लिहाज से धूम 2 बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी.

अर्पिता खान से हुई आयुष की शादी

'लवयात्री', 'अंतिम', और 'रुस्लान' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके आयुष शर्मा ने साल 2014 में सलमान की बहन अर्पिता खान से शादी की थी. अर्पिता सलमान के पिता सलीम खान और उनकी दूसरी पत्नी हेलन की गोद ली हुई बेटी हैं. अर्पिता और आयुष एक खुशहाल लाइफ जी रहे हैं. दोनों दो बच्चों के पैरेंट्स हैं.

कांटा लगा...ओरिजिनल की कहानी, जब आशा पारेख के गानों ने मचाई धूम, लेकिन शेफाली पर लगे अश्लीलता के आरोप

साल 2002 की बात है. गुजरात तब भी देश में सबसे अधिक सुर्खियां हासिल करने वाला राज्य था. ग्लैमरस शेफाली जरीवाला की सनसनी इसी साल की उपज थी. उसका ताल्लुक भी गुजरात से था, अहमदाबाद में जन्मी थीं. कांटा लगाॽ रीमिक्स वीडियो अलबम भी उसी साल आया, जब गुजरात चर्चा में था. देश भर की युवा पीढ़ी के दिलो दिमाग पर इस अलबम ने नशा का असर किया. हालांकि तब कुछ ऐसे लोग भी थे जिन्होंने इस रीमिक्स को अश्लीलता फैलाने वाला बताया था, नाराजगी भी जताई. क्योंकि जिन्होंने इस गाने के ओरिजिनल वर्जन में देखा-सुना था, उनके लिए शेफाली की प्रस्तुति में एक बड़ा सांस्कृतिक झटका था. युवाओं की पसंद को पतन से जोड़ा गया था.

अनोखा संयोग देखिए कि कांटा लगाॽ ओरिजिनल गाना अपने जमाने की प्रसिद्ध अभिनेत्री आशा पारेख पर फिल्माया गया था, जिनका ताल्लुक भी गुजरात से था. बाद में उनका परिवार मुंबई में बस गया. लेकिन फिलहाल हम बात गुजरात की नहीं कर रहे- यह चर्चा संयोगवश ही है. आपको लेकर चलते हैं सत्तर के दशक में, जब आशा पारेख पर फिल्माया गया यह गाना आया था. आशा पारेख तब भी अपने अनेक पॉपुलर गानों की वजह से शोहरत हासिल रहने वाली अभिनेत्री रही हैं, इस गाने ने उनकी लोकप्रियता की झोली में एक और नगीना जड़ दिया.

पहले इसे कांटा लगा... गाना नहीं कहा जाता था

प्रकाश मेहरा की इस फिल्म के समय आशा पारेख टॉप पर आ गई थीं. इस गाने पर उनकी दिलकश अदाएं जिन्होंने देखी, लोग उसे आज भी नहीं भूले. वास्तव में जिसे हम कांटा लगाॽ गाना कहते हैं, सत्तर के दशक में तब इसकी यह पहचान नहीं थी. उस दौर में इसे बंगले के पीछे, तेरी बेरी के नीचेॽ बोला जाता था. एल.पी. रिकॉर्ड या फिर कैसेट्स के दौर में भी इसे कांटा लगा के तौर पर उल्लेख नहीं किया जाता था. गानों की सूची में पंक्ति बंगले के पीछे, तेरी बेरी के नीचे.. ही लिखा होता था.

कांटा शब्द से कई और गाने भी थे. मसलन मेरी बेरी के बेर मत तोड़ो, कोई कांटा चुभ जाएगाॽ आशा भोंसले का गाया यह गाना सन् 1968 की फिल्म अनोखी रात का था. इत्तेफाक देखिए कि इंदीवर के लिखे उस गाने का भी रीमिक्स किया गया था और उसकी पेशकश पर भी अश्लीलता के गंभीर आरोप लगे थे. वैचारिक विरोध हुए. रीमिक्स कल्चर ने ना केवल गीत-संगीत बल्कि नई पीढ़ी में कला बोध को भी नुकसान पहुंचाया.

नेहा धूपिया

ने की वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रा, कहा- इस सफर ने बहुत सी प्यारी यादें वापस ला दीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने हाल ही में वंदे भारत एक्सप्रेस से मुंबई से सूरत तक एक खास ट्रेन यात्रा की, जो उनके लिए सिर्फ एक साधारण सफर नहीं, बल्कि एक दिल को छूने वाला अनुभव बन गया। यह यात्रा उनके लिए बचपन की यादों को ताजा करने जैसा था और नेहा ने इस अनुभव को अपने यूट्यूब व्लॉग के जरिए अपने फैंस से शेयर किया।

बचपन की यादों से जुड़ी यात्रा

नेहा धूपिया के लिए यह ट्रेन यात्रा एक दिलचस्प अनुभव बन गया क्योंकि इसे लेकर उनकी भावनाएं बहुत गहरी थीं। यात्रा की शुरुआत में, जैसे ही वह ट्रेन में चढ़ती हैं, उनका उत्साह साफ तौर पर देखा जा सकता था। मुस्कुराते हुए वह कहती हैं, बचपन में मम्मी-पापा के साथ ट्रेन से सफर करती थीॽ आज भी वही एहसास हो रहा है। उनकी आवाज में वही पुराने दिनों की खुशबू थी, जैसे ट्रेन की खिड़की से बाहर का दृश्य देखते हुए वह उन लम्हों को फिर से जी रही थीं।

यह यात्रा नेहा के लिए सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने का साधन नहीं थी, बल्कि यह उनके जीवन के कुछ प्यारे लम्हों की यादें वापस लाने वाला अनुभव बन गई। वह बताती हैं कि इस सफर ने उन्हें बहुत सी प्यारी यादें वापस ला दीं, और यह सब कुछ इतना भावुक करने वाला था कि नेहा ने अपने फैंस के साथ इस अनुभव को साझा किया।

आरामदायक सफर और बेहतरीन सेवा

नेहा धूपिया ने अपनी यात्रा के दौरान इस बात का भी जिक्र किया कि वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर करना कितना आरामदायक था। उन्होंने ट्रेन की सेवा की भी तारीफ की और बताया कि रास्ते में उन्हें कुछ अच्छे लोग भी मिले। सेवा बेहतरीन थी, नेहा ने कहा, और सफर में कुछ शानदार मुलाकातें भी हुईं। इसके अलावा, ट्रेन की सुविधाएं और आरामदेह माहौल ने इस यात्रा को और भी खास बना दिया।

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की तैयारी

वाराणसी/एजेंसी

उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के अंतर्गत राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को बढ़ाने हेतु विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इसी को लेकर बुधवार से जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र (डायट) परिसर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारम्भ हुआ। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन मण्डलीय उपनिदेशक अर्थ एवं संख्या डी.के. सिंह ने किया। इसमें वाराणसी सहित जौनपुर, गाजीपुर और चन्दौली के जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी अमित त्रिपाठी एवं विकास सिंह (एन.एस.ओ.) ने तकनीकी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। सभी सर्वेक्षकों एवं पर्यवेक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे पूरी निष्ठा और लगन से इस कार्य को संपादित करें ताकि श्रम बल के संबंध में सटीक आंकड़े सरकार के समक्ष प्रस्तुत किए जा सकें। बताते चले राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक जनपद में माह जुलाई, 2025 से जून, 2026 के मध्य लेबर फोर्स सर्वे और एएसयूएसई सर्वे करा रही है। जिससे जिला घरेलू उत्पाद का आंकलन किया जा सकेगा। एलएफएस एक बहुत ही महत्वपूर्ण सर्वेक्षण है, जिसे प्रदेश का अर्थ एवं संख्या प्रभाग अपनी देखरेख में करवा रहा है। सर्वेक्षण के आंकड़ों से रोजगार-बेरोजगारी के विभिन्न संकेतकों जैसे-श्रम बल भागीदारी दर , श्रमिक जनसंख्या अनुपात , बेरोजगारी दर का आंकलन जनपद स्तर पर किया जायेगा। सर्वेक्षक द्वारा सैंपल आधारित ग्राम/नगरीय खण्ड में कापी के माध्यम से हाउसहोल्ड सर्वेक्षण किया जायेगा। सर्वेक्षण के पश्चात प्राप्त आंकड़ों से बने रिपोर्ट के आधार पर जनपद की लेबर फोर्स के वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त होगी।

केवल सिंह पठानिया ने नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया

सबसे पहले रेत क्षेत्र में ओवरब्रिज के समीप प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं

मंडी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में उप मुख्य सचेतक एवं स्थानीय विधायक केवल सिंह पठानिया ने मंगलवार सुबह शाहपुर क्षेत्र में पठानकोट-मंडी फोरलेन निर्माण के चलते हुए नुकसान का स्थलीय निरीक्षण किया। सुबह 7 बजे उन्होंने सबसे पहले रेत क्षेत्र में ओवरब्रिज के समीप प्रभावित परिवारों से भेंट कर उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं। इसके बाद उन्होंने नगर पंचायत शाहपुर के वार्ड नंबर 6, बंदला ब्रिज और 39 मील क्षेत्र में नुकसान का जायजा लिया।स्थानीय विश्राम गृह में उन्होंने एनएचएआई, निर्माण कंपनी व प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक कर विस्तार से स्थिति की समीक्षा की और प्रभावित क्षेत्रों का मौके पर जाकर आंकलन कर शीघ्र विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।पठानिया ने बताया कि शाहपुर, सारनू, द्रम्मण और 39 मील जैसे प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान के अनुसार रिलीफ मैनुअल के तहत उचित मुआवजा प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में उन्होंने मुख्यमंत्री श्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भी विस्तृत चर्चा की है, और मुख्यमंत्री ने मुआवजे को लेकर सहमति जताई है। उन्होंने आपदा के समय सड़कों की बहाली व राहत कार्यों में तत्परता से कार्य करने वाले सभी विभागों और कर्मचारियों का आभार जताया। शाहपुर प्रदेश का पहला ऐसा विधानसभा क्षेत्र बना है, जहां पंचायत स्तर पर आपदा प्रबंधन हेतु विशेष कमेटियों का गठन कर उनके संपर्क नंबर सार्वजनिक किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि निचली सिंहवा से लेकर राजोल तक फोरलेन का अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य युद्धस्तर पर जारी है।उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे घबराएं नहीं, प्रशासन और जनप्रतिनिधि हर परिस्थिति से निपटने को तैयार हैं।

तपोवन विधानसभा परिसर पर्यटकों के लिए खुला, विधानसभा अध्यक्ष ने दिखाई हरी झंडी

तपोवन

विधानसभा अध्यक्ष श्री कुलदीप सिंह पठानिया ने आज तपोवन स्थित हिमाचल प्रदेश विधानसभा परिसर को पर्यटकों के लिए औपचारिक रूप से खोलने की घोषणा की। धौलाधार की गोद में स्थित इस रमणीय परिसर को जिला प्रशासन कांगड़ा द्वारा आयोजित एक सादे समारोह में आम जन के भ्रमण हेतु खोल दिया गया। इस अवसर पर श्री पठानिया ने कहा कि तपोवन न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण स्थल है, बल्कि चिन्मयानंद स्वामी के तपोस्थल के निकट होने के कारण यह स्थान आध्यात्मिक महत्व भी रखता है। उन्होंने कहा कि परिसर में स्थित विधान भवन एक आधुनिक स्थापत्य का उत्कृष्ट उदाहरण है और यहां से धौलाधार एवं मैक्लोडगंज के अद्भुत दृश्य भी देखे जा सकते हैं। अब पर्यटक निर्धारित शुल्क पर परिसर में प्रवेश कर सकेंगे, विधान भवन और दर्शक दीर्घा का अवलोकन कर सकेंगे। इससे प्राप्त धनराशि परिसर के रखरखाव में उपयोग की जाएगी। साथ ही, आगंतुकों की सुविधा के लिए परिसर के समीप मोबाइल फूड वैन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में विधानसभा सचिव श्री यशपाल शर्मा, जिला प्रशासन के अधिकारी, धर्मशाला होटलियर एसोसिएशन, नगर निगम पार्षद और अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने "हिम ईरा" के औषधीय उत्पादों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया, जो उन्नति संकुल स्तरीय संघ द्वारा लगाई गई थी।

सीएम सुक्खू करें कार्रवाई, मंत्री पद से हटाए: परमार

दिव्या दिल्ली- पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, भाजपा के कांगड़ा-चंबा प्रभारी एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने शिमला में एनएचएआई के अधिकारी के साथ हुई मारपीट पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है। उन्होंने प्रदेश के सीएम सुखविंद्र सिंह सुक्खू से इस संबंध में खुद ही कार्रवाई करते हुए जनप्रतिनिधि की ओर से किए गए इस त्य को देखते हुए मंत्री पद से हटाना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि इस संबंध में केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने खुद प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री से बात की है।

श्री परमार ने कहा कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों की प्रदेश के एक मंत्री प्रशासन और पुलिस की उपस्थिति में मारपीट अत्यंत शर्मनाक और निंदनीय कृत्य है। दो एनएचएआई के अधिकरियों को पुलिस प्रशासन और मंत्री की उपस्थिति में बुलाया गया। मीडिया के लोगों को धमकी देकर उनसे उनके कैमरे बंद करवाए गए, और इसके बाद कमरे में बंद करके उनसे मारपीट की गई। इसके बाद मंत्री के समर्थकों द्वारा उन्हें कमरे के बाहर भी मारा पीटा गया। उनके ऊपर गमले फैंके गए।

मार पीट में दोनों अधिकारी लहूलुहान हो गए। पूर्व विस अध्यक्ष विपिन सिंह परमार ने कहा कि उन दोनों अधिकारियों ने मीडिया के सहयोग से किसी तरीके से भाग कर अपनी जान बचाई। सबसे शर्मनाक बात यह है कि मौके पर एसडीएम और पुलिस की मौजूदगी के बाद भी उनके बीच बचाव करना तो दूर उन्हें प्रशासन और पुलिस द्वारा अस्पताल भी नहीं पहुंचाया गया। एनएचएआई के अधिकारियों पर यह हमला अत्यंत घटिया और कानून व्यवस्था का पतन का उदाहरण है। प्रदेश में कानून व्यवस्था की दयनीय हालत आज राज्य के हर व्यक्ति सहित बच्चे-बच्चे को पता है। श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था अपने हाथ में लेने वाले मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करें और उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करें। प्रदेश में इस तरीके की अराजकता को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मीडिया के लोगों को खबर न चलाने की धमकी दी जा रही है। खबर चलाने पर अंजाम करने की धमकी दी जा रही है। पीड़ितों पर भी तमाम तरीके के दबाव बनाकर मामले को रफा दफा करने का प्रयास किया जा रहा है।

सीटीआई ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखा पत्र

दिव्या दिल्ली- दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड के गठन की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। इससे पहले दिल्ली में व्यापारियों और फैक्ट्री मालिकों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है। CTI चेयरमैन बृजेश गोयल पत्र में कहा है कि व्यापारी कल्याण बोर्ड का दिल्ली के सभी मार्केट्स एसोसिएशन्स, इंडस्ट्री एसोसिएशन्स, होटल रेस्टोरेंट्स एवं बैंक्वेट एसोसिएशन्स ने स्वागत किया है क्योंकि व्यापारी कल्याण बोर्ड सरकारी कार्य योजनाओं में व्यापारियों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा। बृजेश गोयल और महासचिव गुरमीत अरोड़ा ने बताया कि बोर्ड में व्यापारिक संगठनों से सिर्फ 9 सदस्यों को शामिल किया गया है, ये संख्या बेहद कम है। इसमें व्यापारी वर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। राजधानी में 700 से ज्यादा छोटे-बड़े बाजार हैं, करीब 56 औद्योगिक क्षेत्र और 3000 से ज्यादा होटल, गेस्ट हाउस, मोटल, रेस्टोरेंट्स, बैंक्वेट हैं पुरानी दिल्ली के होलसेल बाजारों की अपनी समस्याएं और चुनौती हैं। वहीं कमला नगर, करोल बाग, राजौरी गार्डन, हरी नगर, तिलक नगर, कृष्णा नगर, लाजपत नगर, खान मार्केट, सरोजिनी नगर आदि रिटेल बाजारों की अपनी अलग समस्याएं हैं। एमसीडी और एनडीएमसी के क्षेत्रों में बाजार कई परेशानियों से जूझ रहे हैं, सीटीआई उपाध्यक्ष राहुल अदलखा और राजेश खन्ना ने बताया कि दिल्ली में 28 अप्रूव्ड और 28 नॉन अप्रूव्ड औद्योगिक क्षेत्र हैं जिनकी अलग अलग समस्याएं हैं , उळक की गुहार है कि बोर्ड में कम से कम 21 सदस्य होने चाहिए, सीटीआई ने मांग की है कि व्यापारी कल्याण बोर्ड में मार्केट एसोसिएशन्स , इंडस्ट्री एसोसिएशन्स होटल रेस्टोरेंट्स एवं बैंक्वेट एसोसिएशन्स आदि सभी सेक्टर के व्यापारियों को शामिल किया जाए जिससे कि सभी सेक्टर के व्यापारियों की भागीदारी बोर्ड में सुनिश्चित हो सके , बृजेश गोयल ने बताया कि शीला दीक्षित की सरकार के दौरान भी व्यापारी बोर्ड में करीब 21 सदस्य थे और सभी वर्गों के व्यापारियों को स्थान दिया गया था

सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति पर दिल्ली हाई कोर्ट की नगर निकायों को फटकार

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट ने सार्वजनिक शौचालयों के जर्जर हालत पर दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को फटकार लगाई है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली के नगर निकायों की ओर से सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव में असंवेदनशीलता बरती जा रही है।

एनजीओ जन सेवा वेलफेयर सोसायटी ने दायर याचिका में दिल्ली के सभी सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव पर चिंता व्यक्त की है। याचिका में सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई, साफ पानी और बिजली की दयनीय हालत पर कोर्ट का ध्यान खींचा गया है। कोर्ट के पहले के आदेश के बाद नगर निकायों ने सार्वजनिक शौचालयों के रखरखाव को लेकर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने नगर निकायों की ओर से पेश स्टेटस रिपोर्ट में से सार्वजनिक शौचालयों के कुछ फोटोग्राफ को दिखाया।

पंजाब में राज्यसभा की एक सीट खाली

चंडीगढ़/एजेंसी

पंजाब में लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी के संजीव अरोड़ा के चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा की एक सीट खाली हो गई है। अब इस सीट से राज्यसभा में जाने वाले आम आदमी पार्टी के नेता के नाम को लेकर लॉबिंग शुरू हो गई है। संजीव अरोड़ा ने मंगलवार को राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया है। अरोड़ा बीती 30 जून को विधायक पद की शपथ ले चुके हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार की रात कहा कि जल्द ही मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। जिससे साफ है कि आम आदमी पार्टी की सरकार अब संजीव अरोड़ा को प्रदेश में मंत्री बनाएगी। लगभग तीन वर्षों तक उच्च सदन में सेवा देने वाले अरोड़ा ने अपने कार्यकाल के दौरान पंजाब के लोगों, साथी सांसदों और राज्यसभा के सभापति के समर्थन और सहयोग के लिए उनका गहरा आभार व्यक्त किया।

ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन ने देश की आपूर्ति श्रृंखला के भविष्य को सशक्त बनाने के लिए भारत में विस्तार किया

दिव्या दिल्ली - यू.के. में मुख्यालय वाली, भारतीय स्वामित्व वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी और आपूर्ति श्रृंखला प्रशिक्षण और परामर्श में वैश्विक अग्रणी कंपनी ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन भारत के गतिशील रसद और खरीद परिदृश्य में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करना जारी रखे हुए है। देश के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, ब्लू ओशन ने नई दिल्ली में अपनी शुरूआत की। यह कार्यक्रम भारत के कार्यबल को बेहतर

बनाने और वैश्विक रूप से सक्षम आपूर्ति एवं मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत और भारत के आत्मनिर्भर वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ने जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के बोर्ड के सदस्य और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने कहा, ब्लू ओशन केवल पेशेवरों का निर्माण नहीं कर रहा है, यह एक मजबूत, अधिक आत्मनिर्भर भारत की नींव रख रहा है। उन्होंने कहा, आपूर्ति श्रृंखला प्रतिभा को बदलने में हमारा काम देश की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के लिए एक बड़ा बदलाव होगा। ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के समूह सीईओ डॉ. सत्य मेनन ने कहा संगठन दिल्ली, पुणे, कोच्चि और हैदराबाद में पहले ही स्थापित हैं, जिसे पूरे देश में विस्तार की योजना है। अगस्त में, ब्लू ओशन नई दिल्ली में अपने प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय खरीद और आपूर्ति श्रृंखला सम्मेलन की भी मेजबानी करेगा।

जीएसटी स्लैब 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी करने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली/एजेंसी

इस साल की शुरूआत में आयकर रियायतों की एक श्रृंखला के बाद केंद्र सरकार अब वस?तु और सेवा कर (जीएसटी) में कटौती कर मध्य और निम्न-आय वाले घरों में राहत देने की तैयारी कर रही है। सरकार आवश?यक वस्तुओं पर जीएसटी की दर 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी तक कम कर सकती है। इस बारे में फैसला जुलाई में होने वाली 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि केंद्र सरकार 12 फीसदी जीएसटी टैक?स स्लैब को पूरी तरह से समाप्त करने यानी मौजूदा 12 फीसदी वाले वस्तुओं

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397